RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"
पटना, वर्षः 7 , अंकः 189 , शनिवार, 22 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

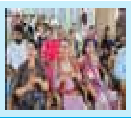
सिकरिया फार्मेसी कॉलेज में भारतीय जन औषधि जागरूकता दिवस आयोजित 03

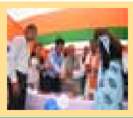
गया जी : मनोवैज्ञानिक एवं क्लिनिकल पहलुओं के साथ विद्यार्थियों को बताए गए नशे से ... 04

बिना ऑडिशन 'मोहब्बतें' से बनाई पहचान, जानें मॉडल से बॉलीवुड... 07

अगस्त के आखिर में कई देशों में दिखेगा दुर्लभ चंद्र ग्रहण

- आसमान में नजर आएगा ब्लड मून, अद्भुत होगा नजारा!

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अगस्त का महीना खगोल वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष प्रेमियों के लिए बेहद खास है। महीने की शुरुआत में जहां एक पूर्ण सूर्य ग्रहण आखिर में एक शानदार चंद्र ग्रहण होने जा रहा है, जिसे दुनिया के बड़े हिस्से में देखा जा सकेगा। इस दौरान पूर्णिमा का चांद पृथ्वी की छाया से होकर गुजरेगा, जिससे आसमान में वह डरावने लाल रंग में नजर आएगा। इस दौरान चंद्रमा का 96 प्रतिशत हिस्सा पृथ्वी की छाया में होगा और केवल एक पतला हिस्सा सीधे सूरज की रोशनी में होगा। चंद्र ग्रहण तब होता है जब चांद, पृथ्वी और सूरज एक सीध में सामने आते हैं। इस दौरान चांद पृथ्वी की छाया से होकर गुजरता है। हालांकि, चंद्र ग्रहण के दौरान चांद आसमान से गायब नहीं होता बल्कि यह गहरे लांल रंग में नजर आता है। इसी वजह से इसे ब्लड मून कहा जाता है।

- **चांद का 96 फीसदी हिस्सा पृथ्वी की छाया में होगा-** इसे पूरे उत्तरी अमेरिका में देखा जा सकेगा, लेकिन अमेरिका के पूर्वी हिस्से में ग्रहण का सबसे शानदार नजारा दिखेगा। रिपोर्ट के अनुसार, ग्रहण जब अपने चरम पर होगा, उस दौरान इसका 96 फीसदी हिस्सा पृथ्वी की छाया में ढका होगा। अमेरिकी समयानुसार ग्रहण गुरुवार रात 9.38 बजे शुरू होगा और शुक्रवार सुबह लगभग 3.01 बजे खत्म होगा।
- **भारत में नहीं दिखाई देगा दुर्लभ चंद्र ग्रहण-** 27-28 को होने वाला गहरा आंशिक चंद्र ग्रहण उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के ज्यादातर हिस्सों के साथ यूरोप और अफ्रीका के कुछ इलाकों में भी दिखाई देगा। कुछ जगहों पर काफी गहरा दिखेगा जबकि दूसरी जगहों पर इसका सिर्फ कुछ हिस्सा ही दिखाई देगा।

संक्षिप्त समाचार

तीन साल नहीं अब एक साल की वकालत करके भी बन सकेंगे जज

- सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, जज बनने की तैयारी कर रहे युवाओं को राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। निचली अदालतों में जज बनने की तैयारी कर रहे युवाओं को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने मई 2025 के फैसले में संशोधन करते हुए एंट्री-लेवल न्यायिक सेवा परीक्षा के लिए 3 साल की अनिवार्य वकालत

की शर्त को घटाकर 1 साल कर दिया है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने 2-1 के बहुमत से यह फैसला सुनाते हुए समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब उम्मीदवारों के लिए परीक्षा में बैठने हेतु 3 साल की जगह सिर्फ 1 साल का वकालत का अनुभव होना चाहिए। इतना ही नहीं जिन न्यायिक परीक्षाओं के नोटिफिकेशन 25 मई 2025 से 31 मार्च 2027 के बीच जारी होंगे, उनके लिए यह अनुभव अनिवार्य नहीं होगा। यानी इस अवधि में बिना अनुभव वाले उम्मीदवार भी परीक्षा दे सकेंगे। हालांकि इस बीच (बिना अनुभव के) चुने गए उम्मीदवारों को सीधे जज नहीं बनाया जाएगा।

अमरीका नहीं जा पाएंगे तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी

- केंद्र का झटका, अमेरिका जाने की नहीं मिली परमीशन

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को अमेरिका जाने की केंद्र से मंजूरी नहीं मिली है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। सीएमओ के मुताबिक, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाला तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल अमेरिका दौरा नहीं कर सकेगा। विदेश मंत्रालय ने राजनीतिक आधार पर क्लियरेंस देने से इनकार किया है। रेवंत रेड्डी फिलहाल लंदन में हैं। उन्हें अमेरिका के बोस्टन जाना था और 30 अगस्त को हैदराबाद लौटना था, लेकिन अब वे 23 अगस्त को सीधे हैदराबाद लौटेंगे। हालांकि, सीएम रेड्डी ने अधिकारियों को अमेरिका जाए बिना वहां के संस्थानों के साथ सभी एमओयू और साझेदारी समझौते पूरे करने के निर्देश दिए हैं। रेवंत रेड्डी 20 अगस्त को लंदन पहुंचे थे। च दौरे में ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन और लंदन बिजनेस स्कूल के कार्यक्रम शामिल थे। उन्हें एमिरेट्स स्टेडियम में फुटबॉल से जुड़े कार्यक्रम में भी जाना था। इसके बाद 24 अगस्त को अमेरिका में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी जाने का कार्यक्रम था। 25 अगस्त को बोस्टन में वर्जीनिया टेक की टीम से बातचीत और 26 अगस्त को न्यूयॉर्क में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के यूएस चैप्टर के कार्यक्रम में शामिल होना था।

चिट्ठी बाद में आती है मंजूरी पहले मिलती है

- अमित शाह ने की बंगाल सीएम शुभेंदु अधिकारी की जमकर तारीफ

कोलकाता/सिलीगुड़ी (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की तगड़ी तारीफ की है। शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक कार्यक्रम में अमित शाह ने मंच से शुभेंदु अधिकारी की तारीफ की। शाह ने कहा कि मैं शुभेंदु अधिकारी की दिल से तारीफ करना चाहता हूं। जब से वे सत्ता में आए हैं, बॉर्डर सिक्योरिटी के लिए गृह मंत्रालय से हमें जो भी मदद चाहिए थी, उसके लिए बस एक फोन कॉल करना पड़ा है। शाह ने बताया कि अभी तक गृह मंत्रालय को कितनी जमीन बंगाल सरकार से मिल चुकी है।

मैं दिल से बंघाल सीएम की तारीफ करना चाहता हूं

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं शुभेंदु अधिकारी की दिल से तारीफ करना चाहता हूं। जब से वे सत्ता में आए हैं, बॉर्डर सिक्योरिटी के लिए गृह मंत्रालय से हमें जो भी मदद चाहिए थी, उसके लिए बस एक फोन कॉल करना पड़ा है। चिट्ठी बाद में आती है, मंजूरी पहले मिल जाती है। सरकार बनने के 45 दिनों के अंदर ही सुवेंदु अधिकारी ने बीएसएफ और एसएसबीके लिए 1,129 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई, जिसकी मांग हम 2014 से कर रहे थे लेकिन कभी नहीं मिली थी।

जब तक घुसपैठ नहीं रुकेगी तब तक देश असुरक्षित

अमित शाह ने कहा कि आज सुबह वे नाश्ते के लिए आए थे और बैठते ही बोले कि बाकी 29 एकड़ जमीन के लिए पैसे भेज दीजिए, अगले ही दिन ऑर्डर जारी हो जाएगा। यह तेजी इसलिए नहीं है कि शुभेंदु अधिकारी बीजेपी सरकार के मुख्यमंत्री हैं। अधिकारी मेरे दोस्त हैं और मैं उन्हें समझता हूं। हमने पश्चिम बंगाल की समस्याओं पर घंटों चर्चा की है। वे जानते हैं कि जब तक घुसपैठ नहीं रुकेगी, न तो पश्चिम बंगाल सुरक्षित रह सकता है और न ही भारत। घुसपैठ रोकने की पहली शर्त है पूरे बॉर्डर को ठीक से सुरक्षित करना। शाह ने कहा कि हम हम ममता बनर्जी से गुहार लगाते-लगाते थक गए थे, लेकिन बॉर्डर पर बाड़ लगाने के लिए हमें कभी ज़मीन नहीं दी गई।

भोजशाला के पास जुमे की नमाज को लेकर तनाव

- विरोध में हनुमान चालीसा का पाठ, शंख बजाकर जयघोष

धार (एजेंसी)। धार में भोजशाला से सटे खसरा नंबर 612 पर जुमे की नमाज को लेकर शुक्रवार को तनाव की स्थिति बन गई। हिंदू संगठन के सदस्य नमाज के विरोध में हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे। शंख बजाकर जयघोष भी किया गया। वहीं, करीब 500 नमाजी निर्धारित स्थान पर नमाज अदा करने पहुंचे। खसरा नंबर 612 के मेन गेट तक नमाजियों की भीड़ रही। प्रशासन और पुलिस ने किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। भोजशाला के प्रवेश द्वार, बाहरी क्षेत्र और नमाज स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। करीब 1,000 जवानों का बल सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया था। इसके अलावा ड्रोन, सीसीटीवी और टेक्निकल सर्विलांस के जरिए भी निगरानी की जा रही है।

जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होती, यहीं बैठा रहूंगा

धरने पर राहुल गांधी, अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे से दिल्ली के संसद मार्ग थाने में धरने पर बैठे हैं। इनका कहना है कि जब तक पैलेट गन से पीड़ित साहिल लोहबच की एफआईआर दर्ज नहीं होती, तब तक वे यहां से हटेंगे नहीं। हालांकि बाद में पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। इस दौरान राहुल ने साहिल को पैलेट गन से लगे छर्रे दिखाए। उन्होंने कहा, पैलेट गन चलने के सबूत हैं। ये छर्रे साहिल के शरीर से निकले हैं। अगर पुलिस ने गन नहीं चलाई तो किसने चलाई है। पुलिस कह रही है कि उन्हें एफआईआर नहीं करने के ऊपर से निर्देश हैं। उनके साथ प्रियंका गांधी, अधीर रंजन चौधरी, सलमान खुर्शीद और जयराम रमेश भी मौजूद हैं।

राहुल बोले-शिकायत की कॉपी ही नहीं मिली

राहुल का आरोप है कि 20 जुलाई के प्रदर्शन में साहिल पैलेट गन से घायल हुए। 14 अगस्त को उन्होंने दिल्ली पुलिस को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन उन्हें शिकायत की कॉपी ही नहीं मिली। 17 अगस्त को ईमेल और फोन से भी शिकायत पर कार्रवाई की मांग की गई, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

एमपी-यूपी की 7 नदियां खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार बारिश जारी है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। नर्मदा, मंदाकिनी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। गंगा, घाघरा, शारदा, टोंस, सोन और मंदाकिनी नदी खतरे के निशान को पार कर गई हैं। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून के दौरान बारिश, लैंडस्लाइड, बाढ़ और अन्य घटनाओं में 219 लोगों की मौत हुई है। इनमें सबसे ज्यादा 131 मौतें सड़क दुर्घटनाओं में हुईं। राजस्थान में पिछले कुछ दिनों से ज्यादातर इलाकों में बारिश नहीं होने के कारण गुरुवार को श्रीगंगानगर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया।

- हिमाचल में अब तक 219 मौतें, राजस्थान में बढ़ी गर्मी

यूपी के 13 जिलों में बाढ़, बाजार में नावें चलीं

यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। गंगा और घाघरा समेत 6 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। एक लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का पानी बाजार तक पहुंच गया है। सड़कों पर नावें चल रही हैं। गुप्त गोदावरी की दोनों गुफाएं पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई हैं। बहराइच के कई गांव जलमग्न हैं। गुरुवार को मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने ट्रैक्टर पर बैठकर बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। लोगों से मिलकर उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। प्रयागराज में गंगा-यमुना उफान पर हैं। रसूलाबाद से नागवासुकी मंदिर तक जाने वाली रिवर फ्रंट रोड डूब गई है। गंगा का पानी 'लेटे हुए' हनुमान मंदिर कॉरिडोर तक पहुंच गया है।

एमपी में नर्मदा-मंदाकिनी खतरे के निशान से ऊपर

मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में एक्टिव स्ट्रॉन्ग सिस्टम से डिंडौरी, पन्ना, रीवा, सतना, छतरपुर समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं। नर्मदा, मंदाकिनी जैसी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मैहर और डिंडौरी के स्कूलों में आज छुट्टी कर दी गई है। डिंडौरी में आंगनवाड़ियां भी बंद हैं। पन्ना में लगातार बारिश की वजह से शुक्रवार और शनिवार को स्कूल बंद रखे गए हैं। जिले में केन, मिढ़ासन, व्यारमा और पतने नदी उफान पर हैं। तेंदुघाट बांध के 5 गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। उमरिया में संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के जोहिला डैम के दो गेट एक-एक मीटर खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। मैहर में गुरुवार देर रात मर्जुआ नाले को पार करने के दौरान ट्रक करीब 7 फीट गहरे पानी में फंस गया। स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मुकुंदपुर चौकी प्रभारी नागेश्वर मिश्रा तैरकर ट्रक तक पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से रस्सा बांधा, जिसके सहारे ट्रक ड्राइवर राकेश साहू और क्लीनर इंद्रकमल द्विवेदी को बचा लिया गया। सतना में सेमरावल नदी का पानी पुल के ऊपर आने से सेमरिया रोड बंद है। कोठी क्षेत्र के पवैया विद्युत सब स्टेशन में पानी भरा है।

एमपी में एक महिला की मौत, स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने बुलाई बैठक

देश में अचानक बढ़ गए स्वाइन फ्लू के मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर में स्वाइन फ्लू से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मेडिकल रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू संक्रमण की पुष्टि हुई है। महिला को कोई दूसरी बीमारी नहीं थी। मृतक की पहचान सरोज नागर (60) के रूप में हुई है। दिल्ली में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को राजधानी की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की। बैठक में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और दिल्ली सरकार के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में फ्लू की मौजूदा स्थिति, अस्पतालों की तैयारियों, जांच और इलाज की सुविधाओं के साथ बीमारी को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर चर्चा की गई। यह बैठक स्वाइन फ्लू के मामलों में बढ़ोतरी के बीच हुई है।

मिजोरम में 5 आरोपी गिरफ्तार

मिजोरम के मामित जिला में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग असम से अफ्रीकन स्वाइन फ्लू से संक्रमित 45 सुअर लेकर आए थे। सुअरों को आइजॉल ले जाया जा रहा था। आरोपी मिजोरम-असम बॉर्डर पर चेकिंग से निकल गए, बाद में इन्हें जामुआंग गांव में पकड़ा गया। स्वाइन फ्लू को आमतौर पर स्वाइन फ्लू कहा जाता है। यह इंफ्लूएंजा वायरस का एक प्रकार है। यह मुख्य रूप से सांस की नली को प्रभावित करता है। 2009 में फ्लू दुनियाभर में काफी फैला था। इसके बाद फ्लू इंसानों में फैलने वाले मौसमी फ्लू के वायरस का हिस्सा बन गया। फ्लू ज्यादातर लोगों में ठीक हो जाता है, लेकिन कुछ लोगों में इसके गंभीर होने का खतरा ज्यादा रहता है।

राजस्थान में सीजेपी कार्यकर्ताओं पर हल्ला बोल

- ग्रामीणों ने बोला हमला, पीट-पीट कर गांव से भगाया

जयपुर (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) प्रवक्ता आशुतोष रांका और उनके साथियों पर जयपुर में हमला हुआ है। रांका शुक्रवार सुबह 10 बजे बगरू के राजकीय प्राथमिक स्कूल रामपुरा कंवरपुरा का निरीक्षण करने पहुंचे थे। तभी ग्रामीणों ने उन्हें पीटकर वहां से खदेड़ दिया। उनकी गाड़ियों पर भी पथराव किया गया। रांका के साथ मौजूद महिला समर्थकों पर गांव की महिलाओं ने मिट्टी फेंकी। रांका ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर मारपीट का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा- हमले में गाड़ियों के शीशे और मोबाइल तोड़े गए, एक महिला से मारपीट हुई।

असम और मेघालय बॉर्डर पर तनाव का माहौल

- शिलॉन्ग में केयूसी की रैली के दौरान भारी हंगामा
- असम के लोगों से मारपीट से शुरू हुआ था विवाद

शिलॉन्ग (एजेंसी)। बुधवार को मेघालय में असम के लोगों से मारपीट से शुरू हुआ विवाद अब मेघालय के कई राज्यों तक पहुंच गया है। मेघालय में सरकारी संपत्तियों पर आगजनी और पेट्रोल बम फेंकने की घटनाएं सामने आई हैं। असम ने भी मेघालय से लगी अपनी सीमाओं पर नाकेबंदी कर दी है। बुधवार को मेघालय के शिलॉन्ग में खासी स्टूडेंट्स यूनियन (केयूसी) की रैली के दौरान असम के लोगों के साथ मारपीट कर उनके वाहनों को आग लगा दी गई थी। हिंसा में 31 गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया गया था, जिनमें ज्यादातर असम के नंबर की थीं। इसके बाद मेघालय के कई जिलों में हिंसा की छिटपुट घटनाएं शुरू हो गई थीं। हिंसा के शिकार ज्यादातर लोग असम के हैं। इसके विरोध में गुरुवार को गुवाहाटी के टैक्सी चालकों ने नेशनल हाईवे-27 पर आवाजाही रोक दी थी।

असम के संगठनों ने रखीं मांगें

असम के ड्राइवर संगठनों और टूरिस्ट कैब ऑपरेटरों ने मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा और पर्यटन मंत्री से माफी मांगने को कहा है। उन्होंने क्षतिग्रस्त वाहनों और घायल लोगों के लिए मुआवजा देने की मांग की। साथ ही, मेघालय में सफर करने वाले असम नंबर के वाहनों और उनके ड्राइवरों की सुरक्षा को लेकर लिखित भरोसा देने को कहा है। संगठनों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी होने तक मेघालय नंबर के वाहनों को असम में एंट्री नहीं दी जाएगी। असम में सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने छह महीने तक मेघालय को वीकेंड पर्यटन स्थल के तौर पर बहिष्कार करने की अपील भी की।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में महिला सुरक्षा गार्ड से मारपीट का आरोप, 4 महीने से वेतन न मिलने की शिकायत करने गई थी

हाजीपुर। हाजीपुर सदर अस्पताल में एक महिला सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। आरोप है कि चार महीने से वेतन न मिलने की शिकायत करने पहुंची गार्ड को डीपीएम के चेंबर में बुलाया गया, जहां राकेश कुमार नामक व्यक्ति ने उसके साथ बदसलूकी की। अस्पताल में तैनात महिला और पुरुष सुरक्षा गार्ड पिछले चार महीने से वेतन न मिलने की समस्या से जूझ रहे हैं। इसी मुद्दे को लेकर कुछ गार्ड डीपीएम से शिकायत करने पहुंचे थे। महिला गार्ड का आरोप है कि डीपीएम के चेंबर में मौजूद राकेश कुमार ने उसे थप्पड़ मारा और गाली-गलौज करते हुए बदसलूकी की। राकेश कुमार को डीपीएम का करीबी बताया जा रहा है। इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में तैनात अन्य सुरक्षा गार्डों में आक्रोश फैल गया। गार्डों ने कहा कि वेतन की मांग करना उनका अधिकार है और शिकायत करने पर उनके साथ मारपीट या अभद्र व्यवहार अस्वीकार्य है। सुरक्षा गार्डों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। महिला गार्ड के साथ कथित मारपीट की इस घटना ने अस्पताल की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इस पूरे मामले में डीपीएम और आरोपित राकेश कुमार का पक्ष अभी सामने नहीं आया है। महिला गार्ड के आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

28,381 परिवारों को मिले पक्के घर, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हुआ गृह प्रवेश,50 नए लाभुकों को स्वीकृति पत्र

हाजीपुर। वैशाली में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 28,381 परिवारों को पक्के घर मिले हैं। गुरुवार को समाहरणालय के पुष्करणी सभागार में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह ने 50 लाभुकों को गृह प्रवेश के लिए आवास की चाबी और बधाई पत्र प्रदान किए। साथ ही, 50 नए लाभुकों को स्वीकृति पत्र भी दिए गए। यह कार्यक्रम राज्यस्तरीय था, जिसका सीधा प्रसारण किया गया। इस दौरान, जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित कर लाभुकों को चाबी, बधाई पत्र और स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए जिले में 43,174 आवासों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध 43,076 लाभुकों को आवास निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है। इनमें से 41,543 लाभुकों को पहली, 39,169 को दूसरी और 31,109 लाभुकों को तीसरी किस्त का भुगतान किया जा चुका है। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह ने सभी लाभुकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पक्का घर परिवार की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य की नींव है। उन्होंने लाभुकों से अपने घरों को स्वच्छ और सुरक्षित रखने का आग्रह किया। सिंह ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत घरों पर सोलर पैनल लगवाने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इस योजना में सब्सिडी के साथ पात्र लाभुकों को बैंक ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है।

स्कूल में छात्र पर हमला, सिर पर डंडे-रॉड से किए कई वार, 8-10 साथियों के साथ पहुंचने का आरोप

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र स्थित टोटहां के यूएचएमएस स्कूल परिसर में 18 अगस्त की सुबह एक छात्र पर हमला किया गया। इस घटना में पुरखौली निवासी छात्र अनीश कुमार के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। अनीश की माता शोभा देवी ने लालगंज थाने में लिखित आवेदन देकर नामजद आरोपितों सहित अन्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, अनीश सुबह करीब नौ बजे स्कूल में पढ़ाई करने गया था। इसी दौरान समसपुरा निवासी विक्की कुमार, विक्रम कुमार और आदित्य कुमार अपने 8-10 अन्य साथियों के साथ विद्यालय परिसर में पहुंचे। आरोप है कि किसी विवाद को लेकर उन्होंने अनीश के साथ मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने डंडे और लोहे की रॉड से उसके सिर पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर अचेत हो गया। घायल छात्र को प्राथमिक उपचार के लिए लालगंज रेफरल अस्पताल ले जाया गया। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक छात्र की पिटाई होती दिखाई दे रही है। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि विद्यालय में मौजूद कुछ शिक्षक-शिक्षिकाएं घटना के दौरान मोबाइल से वीडियो बना रहे थे और उन्होंने छात्र को बचाने के लिए कोई अपेक्षित सहयोग नहीं किया। परिजनों का यह भी आरोप है कि घटना के बाद आरोपितों द्वारा उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है, जिससे पूरा परिवार भयभीत है। छात्र की मां ने पुलिस से प्राथमिकी दर्ज कर आरोपितों पर कड़ी कार्रवाई करने और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

अनुष्का के भाई आकाश बोले- तेजप्रताप साजिश कर रहे, मेरे घर में आया नकाबपोश लालू के बेटे का करीबी

पटना। लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव और अनुष्का के भाई आकाश यादव के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है। अनुष्का यादव की बेटी उज्जैनी का महाकाल में अन्नप्रशन्न कराकर लौटे आकाश यादव ने एक बार फिर से तेजप्रताप यादव के खिलाफ थाने में शिकायत दी है। शिकायत में कहा गया है कि 20 अगस्त को दोपहर करीब 3:50 बजे उनके फ्लैट के दरवाजे पर किसी ने दस्तक दी। दरवाजा खोलने पर कंधे पर बैग लिए एक नकाबपोश व्यक्ति सामने खड़ा था। उसे देखकर खतरा महसूस होने पर उन्होंने दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद सोसायटी के गार्ड को सूचना दी। सूचना मिलने पर सोसायटी का गार्ड मौके पर पहुंचा। गार्ड को देखकर संदिग्ध व्यक्ति भागने लगा, लेकिन गार्ड ने उसे पकड़ लिया। आकाश ने आरोप लगाया कि वह हमला करने की नीयत से आया था। साथ ही आकाश यादव का आरोप है कि संदिग्ध शख्स तेजप्रताप यादव का करीबी है। संदिग्ध को पकड़ने के बाद गार्ड ने उससे चेहरा से नकाब हटाने और विजिटर रजिस्टर में नाम-पता दर्ज करने को कहा। उसने पहले रजिस्टर में 'विश्वजीत' नाम और गलत मोबाइल नंबर दर्ज किया। गार्ड को शक हुआ। दबाव बनाए जाने और पुलिस में शिकायत करने की बात कहने पर उसने दूसरा मोबाइल नंबर दर्ज किया और वहां से चला गया। इसके बाद आकाश यादव ने सोसायटी का CCTV फुटेज देखा। उनका दावा है कि फुटेज में नजर आ रहा व्यक्ति विकास कुमार उर्फ पोता है। विकास यादव तेज प्रताप यादव का करीबी रिश्तेदार है। इसी आधार पर आकाश ने घटना के पीछे साजिश की आशंका जताते हुए पुलिस से जांच और कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, CCTV में दिख रहा व्यक्ति वही है या नहीं और उसके वहां पहुंचने का मकसद क्या था, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

गोलू हत्याकांड: सांसद पप्पू यादव पीड़ित परिवार से मिले

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ के करोड़ीचक गांव में जमीन कारोबारी गोलू कुमार की हत्या के तीन दिन बाद पूर्णिया सांसद पप्पू यादव गुरुवार देर रात उसके घर पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। सांसद ने पुलिस से हत्याकांड के आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग भी की।

जमीन के कारोबार से जुड़ा था गोलू: गोलू के भाई महेश कुमार ने सांसद को बताया कि गोलू तीन भाइयों में सबसे छोटा था। महेश पेंट-पॉलिश का काम करते हैं, जबकि मंझले भाई रमेश कुमार ट्रैक्टर चलाते हैं। गोलू छोटे स्तर पर जमीन के कारोबार से जुड़ा था। परिवार के 60 वर्षीय पिता परमानंद यादव मजदूरी करते हैं।

भाई का आरोप- दोस्तों ने घर से बुलाकर की हत्या: महेश कुमार ने आरोप लगाया कि गोलू को उसके दोस्तों ने घर से बुलाया था और बाद में उसकी हत्या कर दी गई। हालांकि, परिवार ने किसी दोस्त का नाम नहीं बताया है। परिजनों के मुताबिक, घटनास्थल से पुलिस ने एक मोबाइल फोन बरामद किया है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मोबाइल किसका है।

आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग: परिजनों ने सांसद से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। उनका कहना था कि पुलिस से मामले की जानकारी लेने थाने जाने पर उन्हें सिर्फ 'जांच जारी है' कहकर वापस भेज दिया जाता है।

शराब पार्टी के दौरान मारी गई थी गोली: गोलू कुमार की 17 अगस्त की देर रात घर से करीब 500 मीटर दूर दोस्तों के साथ शराब पार्टी के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद उसके भाई महेश कुमार ने फुलवारी शरीफ थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का आवेदन दिया था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। सांसद के पहुंचने से परिवार को आरोपियों की गिरफ्तारी और न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

❒ आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का दिया भरोसा, जमीन विवाद-प्रेम प्रसंग समेत कई एंगल पर जांच

जमीन विवाद और प्रेम प्रसंग समेत कई एंगल पर जांच: पुलिस मामले की जांच कई एंगल से कर रही है। जमीन के कारोबार में पैसे के लेनदेन और प्रेम प्रसंग को भी जांच के दायरे में रखा गया है। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की जा चुकी है। पुलिस का दावा है कि जांच के दौरान कुछ अहम सुराग मिले हैं और जल्द ही हत्याकांड में शामिल आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

खुशरूपुर में कार से शराब की लूट नेशनल हाईवे पर पलटी थी कार

एजेंसी, पटना

खुसरूपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को शराब से लदी एक तेज रफ्तार कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के बाद सड़क पर बिखरी शराब की बोतलों को लूटने के लिए लोगों में होड़ मच गई। घटना लोदीपुर के पास नेशनल हाईवे पर हुई। जानकारी के अनुसार, BR 01 FL 8170 रजिस्ट्रेशन नंबर वाली कार अनियंत्रित होकर पलट गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के भीतर छिपाकर रखी गई अंग्रेजी शराब की बोतलें सड़क पर बिखर गईं। जैसे ही राहगीरों और वाहन चालकों की नजर सड़क पर बिखरी बोतलों पर पड़ी, वहां अफरा-तफरी मच गई।

राहगीर भी शराब की बोतलें लेकर भागे: सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रक और कार चालकों के साथ-साथ आम राहगीर भी धड़ल्ले से शराब की बोतलें समेटकर ले जा रहे थे। इस दौरान एक ई-रिक्शा पर सवार लोग भी शराब लूटने की इस होड़ में शामिल दिखे। हादसे के बाद कार सवार शराब तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहा। घटना की सूचना मिलते ही खुसरूपुर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया।

❒ तस्कर फरार, मामला दर्ज

शराब तस्कर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज: पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अज्ञात शराब तस्कर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वाहन के नंबर के आधार पर तस्कर की पहचान और उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस इस बात की भी गहराई से छानबीन कर रही है कि भारी मात्रा में शराब की यह खेप कहां से लाई जा रही थी और इसे किस ठिकाने पर पहुंचाया जाना था।

पटना- गंगा में डूबते दो बच्चों को एनडीआरएफ ने बचाया

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के भद्र घाट पर शुक्रवार को गंगा स्नान के दौरान डूब रहे दो मासूम बच्चों और उनकी नानी को NDRF की टीम ने समय रहते सुरक्षित बचा लिया। सावन पूजा के लिए घाट पहुंची महिला पूजा-पाठ में व्यस्त थीं। इसी दौरान दोनों बच्चे गंगा में नहाने चले गए और तेज बहाव के कारण गहरे पानी में चले गए।

पूजा के दौरान नदी में उतरे बच्चे बहने लगे: एनडीआरएफ इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार ने बताया कि बेउर निवासी रूबी देवी (45) अपने 8 वर्षीय नाती अंकुश कुमार और 10 वर्षीय नतिनी अनुष्का कुमारी के साथ सावन पूजा के लिए भद्र घाट पहुंची थीं। स्नान के बाद रूबी देवी घाट पर पूजा कर रही थीं। इसी दौरान दोनों बच्चे गंगा में नहाने चले गए।

बच्चों को डूबता देख नानी भी गंगा में उतरीं: गंगा में पानी का बहाव तेज होने के कारण दोनों बच्चे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। बच्चों को डूबता देख रूबी देवी उन्हें बचाने के लिए गंगा में उतर गईं। इस दौरान वह भी मुश्किल में पड़ गईं। घाट पर तैनात NDRF की टीम की नजर तीनों पर पड़ी। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार के नेतृत्व में जवानों ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और तीनों को सुरक्षित गंगा से बाहर निकाल लिया।

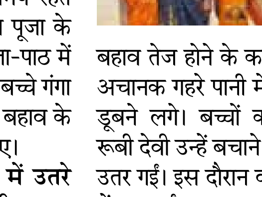

रेस्क्यू के बाद बच्चों और उनकी नानी की स्थिति सामान्य बताई गई। NDRF ने दोनों बच्चों को उनके पिता राकेश मांझी के सुपुर्द कर दिया। समय रहते हुई कार्रवाई से तीनों की जान बच गई।

प्रेमजाल में फंसाकर 70 लाख की साइबर ठगी

एजेंसी, पटना

पटना में साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। फेसबुक पर एक युवती से दोस्ती के बाद एक युवक को ऑनलाइन बिजनेस में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा दिया गया। भरोसा कायम होने के बाद युवक ने अपनी वर्षों की जमा पूंजी से करीब 70 लाख रुपये निवेश कर दिए। रकम वापस निकालने की कोशिश की तो ठगी का खुलासा हुआ। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर थाने में दर्ज कराई है। पीड़ित मूल रूप से गया का रहने वाला है और वर्ष 2006 से पटना में एक निजी कंपनी में काम कर रहा है। युवती अपने आपको कॉलेज की स्टूडेंट बताती थी। स्नातक में बिजनेस मैनेजमेंट और कॉरपोरेट फाइनेंस का कोर्स करने की बात कही थी। फिलहाल, मामला साइबर थाने में दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

फेसबुक पर पहले दोस्ती, फिर प्रेम का इजहार: पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, करीब 6 महीने पहले फेसबुक पर एक युवती ने उसे फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। प्रोफाइल सामान्य लगने पर उसने रिक्वेस्ट स्वीकार कर ली। इसके बाद दोनों के बीच मैसेंजर पर बातचीत शुरू हुई। शुरुआत में दोनों के बीच सामान्य बातचीत होती थी। धीरे-धीरे युवती ने व्यक्तिगत बातें करनी शुरू कर दीं और युवक के प्रति प्रेम का इजहार भी किया। लगातार बातचीत के कारण युवक का उस पर भरोसा बढ़ता गया। इसके बाद युवती ने उसका मोबाइल नंबर लिया। दोनों फोन और फिर व्हाट्सऐप पर बातचीत करने लगे। वीडियो कॉल के जरिए भी संपर्क होने लगा। इसी दौरान युवती ने उसका भरोसा पूरी तरह जीत लिया।

♦ फेसबुक पर दोस्ती, फिर ऑनलाइन बिजनेस में निवेश कराया, पैसे मिलते ही युवती फरार

'ई-रोजर शॉप' में निवेश का दिया झांसा: भरोसा कायम होने के बाद युवती ने युवक को ऑनलाइन बिजनेस के जरिए अच्छी कमाई का ऑफर दिया। उसने 'ई-रोजर शॉप' नाम के ऑनलाइन बिजनेस मॉडल के बारे में बताया और दावा किया कि इसमें पैसा लगाकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। युवक उसके झांसे में आ गया और उसने शुरुआत में छोटी रकम निवेश की। उसे कथित तौर पर बताया गया कि उसके निवेश पर मुनाफा हो रहा है और खाते में रकम लगातार बढ़ रही है। मुनाफे की बातों में आकर युवक ने धीरे-धीरे बड़ी रकम निवेश किया। उसे लगातार यही बताया जाता रहा कि उसका पैसा सुरक्षित है और निवेश के साथ उसका रिटर्न बढ़ रहा है।

70 लाख लगाए, निकालने की कोशिश की तो खुला राज मुनाफे के लालच और अंजान युवती पर अधिक भरोसे के चलते युवक ने अपनी जिंदगी भर की जमा पूंजी से करीब 70 लाख रुपए ऑनलाइन बिजनेस में लगा दिए। उसे उम्मीद थी कि निवेश के बाद उसे अच्छी रकम वापस मिलेगी। जब उसने निवेश की रकम वापस निकालने की कोशिश की तो पैसे नहीं निकले। इसके बाद उसे शक हुआ। उसने युवती से संपर्क कर रकम वापस मांगी, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उसने युवती से संपर्क करने की कोशिश की और निवेश की गई रकम वापस मांगने लगा। जब पैसे वापस नहीं मिले तो उसे समझ में आया कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुका है। ठगी का एहसास होने के बाद युवक के पैरों तले जमीन खिसक गई। नौकरी कर वर्षों से जमा की गई उसकी बड़ी रकम एक झटके में चली गई थी।

6 सितंबर को पटना में होगा जेन जी का जुटान आईसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा करेंगी नेतृत्व

एजेंसी, पटना

बिहार में बदहाल शिक्षा व्यवस्था, बढ़ती बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली, फीस वृद्धि, विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर हमले और छात्रों-युवाओं के लोकतांत्रिक अधिकारों पर बढ़ते दमन को लेकर छात्र संगठन AISA ने 6 सितंबर को पटना के एसके मेमोरियल हॉल में बिहार के Gen Z के बड़े छात्र-युवा जुटान का ऐलान किया है। इसके साथ ही छात्र युवा संसद भी आयोजित होगी।

AISA की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा करेंगी नेतृत्व: AISA के अखिल भारतीय महासचिव कॉमरेड प्रसेनजीत ने कहा, बिहार में Gen Z Rising अभियान के तहत अलग-अलग विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के सवाल अब बिहार की Gen Z खुद उठाएगी। फीस वृद्धि से लेकर शिक्षा के निजीकरण, परीक्षा व्यवस्था और रोजगार तक के मुद्दों पर AISA लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा, NEP और नए शिक्षा संबंधी कानूनों के जरिए शिक्षा को और अधिक केंद्रीकृत एवं जनविरोधी बनाने की कोशिश हो रही है, जिसके खिलाफ 6 सितंबर को बड़ा जुटान होगा। इस कार्यक्रम का नेतृत्व AISA की राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉमरेड नेहा बोरा करेंगी।

बिहार के हर विश्वविद्यालय और शिक्षण संस्थान से सवाल उठ रहे: AISA बिहार के राज्य अध्यक्ष कॉमरेड धनंजय ने कहा, बिहार के हर विश्वविद्यालय और शिक्षण संस्थान से सवाल उठ रहे हैं, लेकिन सरकार शिक्षा और युवाओं के भविष्य को पूरी तरह हल्के में ले रही है। उन्होंने बताया कि AISA की टीम बिहार के अलग-अलग विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्कूलों में जाकर छात्रों और युवाओं से संवाद कर रही है। सरकारी स्कूलों की जर्जर स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कई स्कूलों में पर्याप्त कक्षाएं, कंप्यूटर और प्रयोगशालाएं तक उपलब्ध नहीं हैं।

♦ एसके मेमोरियल हॉल में होगा छात्र युवा संसद

नरेंद्र मोदी दिल्ली से "दिमागी नक्सल" कहते हैं: AISA बिहार की उपाध्यक्ष कॉमरेड सबा आफ़रीन ने कहा कि बिहार के वे सभी छात्र और युवा जो सवाल पूछते हैं, जिन्हें नरेंद्र मोदी दिल्ली से "दिमागी नक्सल" कहते हैं अब संगठित होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा, Gen Z Rising अभियान के तहत AISA बिहार की टीम बिहार के हर जिले, हर विश्वविद्यालय और स्कूल तक पहुंच रही है तथा जागरूक Gen Z और Gen Alpha को संगठित कर रही है।

पटना में गंगा खतरे से ऊपर बगहा में गंडक का कटाव

एजेंसी, पटना

पटना में गंगा का जलस्तर बढ़ा है। गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 20 सेमी ऊपर है। दीघा में खतरे का निशान 50.45 मीटर और गांधी घाट पर खतरे का निशान 48.60 मीटर है। इधर, बेगूसराय के मुंगेर घाट में गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण लोगों को अंतिम संस्कार में ही परेशानी हो रही है। बगहा में गंडक के कटाव से कई घर और खेत नदी में समा गए हैं। 40 साल से रह रहे लोगों के आशियाने उजड़ गए। वही बक्सर में गंगा नदी खतरे के निशान के करीब है।

आज 19 जिलों में बारिश के आसार: बिहार में मानसून की गतिविधियां फिलहाल कमजोर बनी हुई हैं। मौसम विभाग ने 19 जिलों में बारिश की संभावना जताई है। हालांकि, किसी भी जिले में किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, पटना समेत ज्यादातर जिलों में आज मौसम सामान्य रहेगा। हालांकि, कुछ जिलों में बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान 40Kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे के अंदर प्रदेश के 6 जिलों में तेज बारिश की संभावना है। सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया और कटिहार जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट है।

रणजी ट्रॉफी की चुनौती के लिए बिहार टीम की तैयारी

एजेंसी, पटना

रणजी ट्रॉफी के आगामी सत्र में एलीट ग्रुप की चुनौती के लिए बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पुरुष सीनियर चयन समिति ने 2026-27 घरेलू सत्र के लिए फिटनेस एंड स्किल कैंप के लिए 57 खिलाड़ियों की पहली सूची जारी की थी।

इन सभी खिलाड़ियों को आज सुबह 10 बजे बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के ऑफिस में डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए पहुंचना होगा। खिलाड़ियों को सभी आवश्यक मूल डॉक्यूमेंट साथ लाने होंगे। इस लिस्ट में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भी शामिल हैं। वेरिफिकेशन के बाद पात्र खिलाड़ियों को पटना के मोइन-उल-हक स्टेडियम में रिपोर्ट करना होगा। फिटनेस एंड स्किल कैंप 22 अगस्त 2026 से शुरू होगा। कैंप में खिलाड़ियों के लिए बीसीसीआई के निर्धारित मानकों के अनुसार फिटनेस टेस्ट देना अनिवार्य होगा। टेस्ट में सफल होने वाले खिलाड़ियों को आगे की तैयारी में शामिल किया जाएगा। पिछले रणजी सत्र में बिहार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्लेट ग्रुप का खिताब अपने नाम किया था। इस सफलता के बाद टीम को आगामी सत्र में एलीट ग्रुप में खेलने का मौका मिला है। यहां बिहार का सामना देश की मजबूत और अनुभवी टीमों से होगा।

बिहार क्रिकेट एसोसिएशन पर सुप्रीम कोर्ट का एक्शन पूर्व मुख्य न्यायाधीश बने बीसीए के प्रशासक

एजेंसी, पटना

बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) के हालिया चुनावों में कथित अनियमितताओं के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला लिया है। कोर्ट ने ओडिशा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चक्रधारी शरण सिंह को बीसीए का एडमिनिस्ट्रेटर नियुक्त किया है। उनकी निगरानी में अब जिला स्तर से लेकर राज्य क्रिकेट संघ तक जांच की जाएगी। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस एल. नागेश्वर राव की जांच रिपोर्ट के आधार पर आया है।

चुनावी अनियमितताओं की शिकायत के बाद जांच: बीसीए चुनाव में धांधली और नियमों के उल्लंघन की शिकायतों के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव श्रीवास्तव ने मामले में पक्ष रखा। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव को मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

जांच रिपोर्ट के आधार पर नियुक्ति: जांच के बाद प्रस्तुत रिपोर्ट को आधार बनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति चक्रधारी शरण सिंह को बीसीए का प्रशासक नियुक्त करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस कदम को बिहार क्रिकेट प्रशासन में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

BCA सर्वोच्च न्यायालय के दिये गए आदेश का पालन करेगा: बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के गवर्निंग काउंसिल के संयोजक ज्ञानेश्वर गौतम ने कहा, BCA सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश का पालन करेगा। हमारे ऊपर आरोप है कि हमने जिलों में क्रिकेट को लेकर गड़बड़ियां पैदा की है। विरोधियों द्वारा हम पर आरोप लगाए गए हैं। हमने अपने डॉक्यूमेंट जमा कर दिए हैं। सर्वोच्च न्यायालय में बिहार क्रिकेट संघ का मामला चल रहा है। जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस के वी विश्वनाथन की खंड पीठ के द्वारा जस्टिस चक्रधारी शरण सिंह को बीसीए का प्रशासक नियुक्त किया गया है। बीसीए उनका स्वागत करती है और सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के पालन में प्रशासक महोदय को उनके निर्देश के अनुसार पूर्ण सहयोग करेगी। वह यहां आकर जांच करेंगे और उसके बाद जो निर्णय लिया जाएगा उसका हम पालन करेंगे। बीसीए ने अदित्य वर्मा को याचिकाकर्ता नहीं बताया।

संक्षिप्त समाचार

जुआ और अवैध शराब के खिलाफ बंजरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई

छह गिरफ्तार, 180 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी/बंजरिया। बंजरिया पुलिस ने जुआ एवं अवैध शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 180 लीटर देसी चुलाई शराब, ताश की एक गड्डी, दो मोटरसाइकिल तथा 600 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार, 20 अगस्त की शाम झखिया ब्रह्म स्थान के आगे जोत नारायण की बासवाड़ी में चोरी-छिपे जुआ खेलने और अवैध शराब बेचने की सूचना पर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान मिठू कुमार, राजा राम, शिवपूजन सहनी, सुनील सहनी, जंग बहादुर सहनी और फिरोज आलम को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में दो तुरकौलिया थाना क्षेत्र तथा चार बंजरिया थाना क्षेत्र के निवासी हैं। सभी के विरुद्ध उत्पाद एवं जुआ अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक अमित कुमार सिंह, रूपम कुमारी, प्रदीप कुमार तथा बंजरिया थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

हत्या के प्रयास मामले में 9 दोषियों को 10-10 वर्ष की सजा

बीएनएम@ मोतिहारी। पहाड़पुर थाना क्षेत्र के वर्ष 2015 के हत्या के प्रयास मामले में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने नौ अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं चार्जशीट के आधार पर आया। विशेष लोक अभियोजक डॉ. शंभू शरण सिंह ने बताया कि पहाड़पुर थाना कांड संख्या 152/2015 (एसटीआर संख्या 07/2016) में सिसवा नुनिया टोला निवासी मतिचंद, माणिक महतो, सुभाष महतो, हृदया महतो, दशरथ महतो, मनकेश्वर महतो, जनक महतो, बुट्टा महतो उर्फ रामरीत कुमार तथा मनु महतो उर्फ भानु महतो को न्यायालय ने दोषी करार दिया। न्यायालय ने हत्या के प्रयास के आरोप में सभी दोषियों को 10 वर्ष के सश्रम कारावास व 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अलावा अन्य आरोपों में भी अलग-अलग अवधि का कारावास और जुर्माना लगाया गया। सभी सजाएं न्यायालय के आदेशानुसार लागू होंगी।

नशाखुरानी कर लूटपाट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

टेम्पो चालक समेत दो आरोपित दबोचे गए, दो अन्य की तलाश जारी

बीएनएम@ मोतिहारी/रक्सौल। रक्सौल थाना पुलिस ने नशाखुरानी कर यात्रियों से लूटपाट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त सीएनजी टेम्पो, नींद की गोलियां, दो मोबाइल और नकद 700 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार, तुरकौलिया थाना क्षेत्र के फतेहपुर निवासी देशराज शर्मा ने 20 अगस्त को आवेदन देकर बताया कि 18 अगस्त को नेपाल से घर लौटने के दौरान वह नहर चौक, रक्सौल से एक टेम्पो पर सवार हुए थे। आरोप है कि रास्ते में चालक ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन्हें नशीला पदार्थ सुंघाया और बेहोश कर रुपये, सोने की अंगूठी व मोबाइल लूट लिया। बाद में उन्हें तुरकौलिया थाना क्षेत्र के नरियरवा सरेह में फेंक दिया गया। रक्सौल थाना में कांड संख्या 398/26 दर्ज कर तकनीकी एवं मानवीय इनपुट तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने संग्रामपुर थाना क्षेत्र के जलहा सिसवनिया निवासी उमेश सिंह और मंगलपुर निवासी शिवनाथ प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया। गिरोह के दो अन्य सदस्यों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार शिवनाथ प्रसाद पर उगाही, एनडीपीएस एक्ट और हत्या के प्रयास सहित पांच आपराधिक मामले पूर्व से दर्ज हैं। छापेमारी टीम में अपर थानाध्यक्ष रवि कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक अमन कुमार, शम्भु कुमार तथा रक्सौल थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

एच.एस. वर्मा को-ऑपरेटिव कॉलेज में डॉ. जयनारायण प्रसाद को श्रद्धांजलि

बीएनएम@ रामगढ़वा। एच.एस. वर्मा को-ऑपरेटिव कॉलेज, रामगढ़वा में शुक्रवार को प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों की शोकसभा आयोजित की गई। इसमें कॉलेज शासी निकाय के अध्यक्ष एवं केसीटीसी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. जयनारायण प्रसाद के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित सभी शिक्षकों एवं कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। प्रभारी प्राचार्य संजय कुमार सिंह ने कहा कि डॉ. प्रसाद ने महाविद्यालय के विकास और शैक्षणिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन से कॉलेज ने शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान बनाई। शोकसभा में प्रो. अली, विजयेंद्र कुमार सिंह, कन्हैया प्रसाद यादव, अभिषेक कुमार, प्रो. सतीश कुमार, रामरेश यादव, मंगल सिंह, शेषनाथ महतो सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया।

शराब पीने के आरोप में पांच गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

बीएनएम@ रामगढ़वा। रामगढ़वा थाना पुलिस ने शराब सेवन के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस संबंध में रामगढ़वा थाना कांड संख्या 398/26 दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष संजीव मौवार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में सिसवानिया गांव निवासी 42 वर्षीय जीतन राउत (पिता स्व. बोधी राउत), 20 वर्षीय राज कुमार (पिता जगन पटेल) तथा शिवनगर सतपिपरा निवासी 40 वर्षीय संजय पासवान (पिता सुखाराम पासवान) शामिल हैं। इसके अलावा सुगौली थाना क्षेत्र के श्रीखंडी गांव निवासी 24 वर्षीय राजा कुमार (पिता नंदलाल राम) और 25 वर्षीय जयलाल राम (पिता लालबहादुर राम) को भी शराब सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी आरोपितों की मेडिकल जांच कराने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में मोतिहारी जेल भेज दिया गया।

नाम परिवर्तन

मै सुनीता देवी पति राजदेव पंडित, वार्ड नंबर 4, ग्राम- सेखौना, पोस्ट- बगहा घोड़ासाहन, जिला पूर्वी चम्पारण का रहने वाला हूँ। मेरा नाम शांति देवी था जो बाद मे सुनीता देवी हो गया।

मेरा सारा डॉक्यूमेंट्स सुनीता देवी हीं सही नाम है। इसलिए इसी नाम यानी सुनीता देवी के नाम से ही मुझे जाना पहचाना जाए।

सिकरिया फार्मेसी कॉलेज में भारतीय जन औषधि जागरूकता दिवस आयोजित

बीएनएम@ मोतिहारी

सिकरिया फार्मेसी कॉलेज परिसर में शुक्रवार को भारतीय जन औषधि परियोजना जागरूकता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. हीना चंद्रा, बिहार जन औषधि परियोजना के नोडल अधिकारी कुमार पाठक, अशोक कुमार द्विवेदी तथा कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रीति कुमारी दुबे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। भाजपा नेता एवं उद्योगपति यमुना सिकरिया ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को कम कीमत पर उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाली जन औषधि दवाओं के प्रति जागरूक करना है। नोडल अधिकारी कुमार पाठक ने जन औषधि परियोजना की शुरुआत, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली, प्रयोगशाला परीक्षण और केंद्रीय वेयरहाउस की जानकारी देते हुए बताया कि जन औषधि केंद्रों के माध्यम से किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्य अतिथि डॉ. हीना चंद्रा ने ब्रांडेड और जेनेरिक दवाओं के समान संघटन तथा उनके मूल्य अंतर को सरल ढंग से समझाया। उन्होंने कहा कि जन औषधि दवाएं गुणवत्ता के सभी मानकों पर खरी उतरती हैं और फार्मासिस्टों के लिए रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध करा रही हैं। प्राचार्या डॉ. प्रीति कुमारी दुबे ने एपीआई (एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट) की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जन औषधि दवाएं ब्रांडेड दवाओं के समान प्रभावी हैं तथा स्वास्थ्य खर्च कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज में दवाओं संबंधी सही जानकारी पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अशोक कुमार द्विवेदी ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर डॉ. हीना चंद्रा, डॉ. प्रीति दुबे तथा मीडिया प्रतिनिधियों को जन औषधि स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह में शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विभिन्न कांडों में पांच अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

पिपराकोठी पुलिस ने विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए शराब कांड के एक अभियुक्त समेत कुल पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सभी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपितों में पिपराकोठी थाना कांड संख्या 277/19 के प्राथमिकी अभियुक्त भगीरथ मांझी (स्व. पुनीत मांझी), निवासी ढेकहा सरैया शामिल हैं। इसके अलावा अलग-अलग ट्रायल (TR) मामलों के चार वारंटियों को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वारंटियों में मो. दिलावर, पिता मो. मोहताब आलम, निवासी बलठरवा; राजेश कुमार, पिता विनोद राय, निवासी बलठरवा; मो. अल्लुद्दीन, पिता नसरुद्दीन तथा मो. रिजुल्लाह, पिता आयूब आलम, दोनों निवासी चांद सरैया, थाना पिपराकोठी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि सभी गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एसएसबी–बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 88 हजार की संदिग्ध जाली भारतीय मुद्रा बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) एवं बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने 88,000 मूल्य की संदिग्ध जाली भारतीय मुद्रा (एफआईसीएन) बरामद की है। इस कार्रवाई में दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर लखौरा थाना को सौंपा गया। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में सीमा चौकी महुअवा को सूचना मिली थी कि मोतिहारी से जाली नोट लेकर तस्करी की तैयारी की जा रही है। सूचना के आधार पर एसएसबी ने लखौरा थाना के साथ संयुक्त अभियान चलाते हुए मोतिहारी–लखौरा मार्ग पर नाकेबंदी की। इस दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों को रोककर पूछताछ की गई। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों की पहचान शेख नूर आलम (38), निवासी बसवरिया, थाना चिरैया तथा मो. इस्तकार (35), निवासी महुआवा, थाना चिरैया के रूप में हुई। सदर अंचल अधिकारी सुनील कुमार की उपस्थिति में तलाशी लेने पर शेख नूर आलम के पास से 500 के 176 नोट, कुल 88,000 की संदिग्ध जाली मुद्रा बरामद हुई। प्रारंभिक जांच में कई नोटों पर समान क्रम संख्या तथा मुद्रण गुणवत्ता में विसंगतियां मिलने के कारण नोटों के नकली होने का संदेह जताया गया है। बरामद मुद्रा को जब्त कर दोनों संदिग्धों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए लखौरा थाना के सुपुर्द किया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

गोदाम से मिर्च चोरी का 12 घंटे में खुलासा, तीन गिरफ्तार

बीएनएम@ घोड़ासहन

घोड़ासहन पुलिस ने गोदाम से मिर्च चोरी की घटना का महज 12 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सीतामढ़ी जिले के बैरगनिया में छापेमारी कर चोरी किए गए 30 किलोग्राम मिर्च पाउडर के साथ आरोपियों को दबोचा। पुलिस के अनुसार स्थानीय व्यवसायी राकेश कुमार (पिता स्व. हरिराम प्रसाद) की खुशी एंटरप्राइजेज के गोदाम में बीती रात सेंधमारी कर चोरों ने करीब 120 किलोग्राम मिर्च पाउडर बोरे सहित चोरी कर लिया था। सुबह सूचना मिलते ही पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान और आसूचना संकलन शुरू किया। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी चोरी का माल बेचने के लिए बैरगनिया पहुंचे हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। बरामद 30 किलोग्राम मिर्च पाउडर जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनुज कुमार (पिता विजय राम), मुन्ना कुमार (पिता अशोक दास) और शंभू कुमार (पिता स्व. प्रदीप साह) के रूप में हुई है। तीनों घोड़ासहन थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है, जबकि शेष चोरी गए मिर्च पाउडर की बरामदगी के लिए छापेमारी जारी है।

इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचे पूर्व विधायक राजेंद्र राम, छात्राओं से मिल की घटना की जानकारी

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी इंजीनियरिंग कॉलेज में मेस की रसोई में गर्म तेल से तीन छात्राओं के झुलसने की घटना के बाद हरसिद्धि के पूर्व विधायक राजेंद्र राम ने शुक्रवार को कॉलेज परिसर का दौरा किया। उन्होंने छात्राओं, छात्रों और कॉलेज प्रशासन से बातचीत कर मेस व हॉस्टल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। राजेंद्र राम ने कहा कि छात्र-छात्राओं की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई तथा मेस व हॉस्टल की व्यवस्था में सुधार की मांग की। गौरतलब है कि गुरुवार सुबह मेस में गर्म तेल के छींटे पड़ने से 2023 बैच की छात्राएं मोनाली कुमारी, मधु प्रिया और मुस्कान कुमारी झुलस गई थीं। तीनों का प्राथमिक उपचार कराने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।घटना को लेकर कुछ छात्रों ने आरोप लगाया है कि मेस के एक कर्मचारी ने कथित रूप से गर्म तेल की कढ़ाई पटक दी, जिससे तेल छात्राओं पर छलक गया। वहीं हॉस्टल की केयरटेकर ने भी गर्म तेल गिरने की घटना की पुष्टि की है। हालांकि घटना हादसा थी या जानबूझकर की गई हरकत, इसकी जांच जारी है। दौरे के दौरान छात्रों ने मेस की गुणवत्ता, पेयजल, हॉस्टल सुविधाओं और परिसर की जर्जर सड़क सहित कई समस्याओं की शिकायत पूर्व विधायक से की। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत उठाने पर प्रशासन की ओर से दबाव बनाया जाता है। इन आरोपों पर कॉलेज प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

30 लीटर शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष छापेमारी अभियान के तहत हरसिद्धि थाना पुलिस ने मुरारपुर वार्ड-11 में कार्रवाई करते हुए 30 लीटर अवैध शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी की, जिसमें महावीर महतो (पिता– स्व. विशुन महतो), निवासी मुरारपुर वार्ड-11 को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 30 लीटर अवैध शराब बरामद हुई है। थानाध्यक्ष ने कहा कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी कारोबारी को बख्शा नहीं जाएगा।

माधोपुर में ट्रक की ठोकर से छात्र गंभीर घायल, चालक वाहन छोड़कर फरार

बीएनएम@ तुरकौलिया

» पुलिस पहुंच जख्मी को पहुंचाया अस्पताल, ट्रक किया जप्त

» स्कूल से पढ़कर सायकल से घर लौट रहा था छात्र

तुरकौलिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना मोतिहारी -कोटवा बाईपास रोड मे माधोपुर पेट्रोल पंप के समीप की है, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार छात्र को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। घायल छात्र की पहचान माधोपुर निवासी समीम देवान के पुत्र रेहान के रूप में हुई है। बताया जाता है कि रेहान उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय, माधोपुर से पढ़ाई कर साइकिल से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान मोतिहारी से कोटवा की ओर जा रहे एक ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल छात्र को तत्काल इलाज के लिए मोतिहारी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही तुरकौलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि, हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। लोगों ने क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और सड़क सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

जयसिंहपुर बैलघटी में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, ससुराल वाले घर छोड़कर फरार

बीएनएम@ तुरकौलिया

» मायके वाले लगा रहे है गला दबाकर हत्या करने का आरोप।

» तीन माह पूर्व धूमधाम से आएसा की हुई थी शादी।

» मौके पर पहुंची है पुलिस, तहकीकात मे जुटी।

» तस्वीर नव विवाहिता के संदिग्ध मौत कि खबर पर उमड़ी भीड़।

थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर बैलघटी गांव में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान सरवर आलम की पत्नी आएसा खातून के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मृतका के मायके वाले मौके पर पहुंचे, जबकि उसके ससुराल पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं। मृतका के चाचा मोतिहारी के नकछेद टोला निवासी नेजाम आलम ने बताया कि उनके भाई प्रवेज आलम उर्फ टुनटुन की पुत्री आएसा खातून की शादी करीब तीन महीने पहले मुमताज आलम के पुत्र सरवर आलम के साथ हुई थी। बुधवार दोपहर उन्हें सूचना मिली कि आएसा की ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मायके के लोग जब जयसिंहपुर बैलघटी पहुंचे तो घर में आएसा का शव पड़ा था और ससुराल पक्ष के लोग घर से फरार थे। मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर आएसा की गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही तुरकौलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को बुलाया। एफएसएल की टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। वहीं, घटना के बाद से मृतका के मायके वालों में आक्रोश है। पुलिस ससुराल पक्ष के फरार लोगों की तलाश के साथ पूरे मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

एनसीसी शिविर में कैडेट्स ने सीखी अनुशासन और देशसेवा की पाठः प्राचार्य

गया कॉलेज में 17वें एनसीसी ट्रेनिंग कैंप का पांचवां दिन

बीएनएम@ गयाजी। गया कॉलेज परिसर में 6 बिहार बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित 17वें कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप के पांचवें दिन एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान गया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र ने एनसीसी कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण शिविर कैडेटों के लिए सीखने और अपनी छिपी हुई प्रतिभा को पहचानने का एक बेहतरीन मंच है। उन्होंने कैडेटों को प्रेरित करते हुए जीवन की हर परिस्थिति से कुछ न कुछ सीखने तथा अपने हर कार्य को पूरी ईमानदारी, अनुशासन और निष्ठा के साथ करने की सलाह दी।प्राचार्य ने कैडेटों को जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाने के लिए जंगल में लगी आग बुझाने वाली एक छोटी चिड़िया की कहानी सुनाई, जिसके माध्यम से उन्होंने समझाया कि किसी भी बड़े कार्य में हर व्यक्ति का छोटा-सा योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।कार्यक्रम के अंत में 6 बिहार बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पंकज कुमार (कीर्ति चक्र) ने गया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र को स्मृति चिह्न (मोमेंटो) देकर सम्मानित किया। इस शिविर में शामिल सभी कैडेटों ने वक्ता के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

मृत किसान के परिजनों को 10 लाख का मुआवजा मिला

15 अगस्त को बाघ की हमले में हुई थी मौत

बीएनएम@ बगहाः वाल्मीकिनगर वन प्रक्षेत्र अंतर्गत भेड़िहरी गांव निवासी किसान विजय हलदार की बाघ के हमले में हुई मौत के मामले में वन विभाग ने उनके परिजनों को 10 लाख रुपये की मुआवजा राशि प्रदान कर दी है। शुक्रवार को विभागीय टीम मृतक के घर पहुंची और परिजनों को यह राशि सौंपी।इस दौरान सहायक वन संरक्षक, वनपाल, वनरक्षी, पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि, ईडीसी अध्यक्ष सहित गांव के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। अधिकारियों ने परिजनों से मिलकर गहरी संवेदना प्रकट की और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया।ज्ञात हो कि 15 अगस्त को खेत से चारा लाने के दौरान बाघ के हमले से विजय हलदार की मौत हो गई थी। घटना के बाद वन विभाग ने आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी करते हुए पीड़ित परिवार को नियमानुसार 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है। रेंजर सत्यम कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

संत रविदास जयंती पर निकली भव्य कलश यात्रा

समरसता का दिया संदेश

बीएनएम@ योगापट्टी। संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को नवलपुर प्रखंड परिसर से फतेहपुर चौक तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। समरसता संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालु संत रविदास जी के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे, जिससे पूरा इलाका भक्तिमय हो गया। इस आयोजन के माध्यम से समाज में सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया गया। रास्ते में जगह-जगह स्थानीय नागरिकों ने श्रद्धालुओं का गर्मजोशी से स्वागत किया।आयोजकों ने बताया कि संत रविदास जी ने समाज से ऊंच-नीच और भेदभाव को समाप्त कर समानता तथा मानवता का प्रसार किया था। इस अवसर पर बीडीओ शशिभूषण, सीओ विक्रम सिंह, विकास मित्र दिनेश राम, ब्रह्म राम सहित दलित-महादलित समाज के कई गणमान्य लोग और ग्रामीण मौजूद रहे। जयंती कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र के लोगों में खासा उत्साह देखा गया।

आपूर्ति पदाधिकारी का काला बिल्ला लगाकर सांकेतिक विरोध

बीएनएम@ परवलपुर- बिहार आपूर्ति सेवा संघ के आह्वान पर 20 से 26 अगस्त तक राज्य के सभी आपूर्ति पदाधिकारी अपनी लंबित मांगों के समर्थन में काला बिल्ला लगाकर सांकेतिक विरोध दर्ज करा रहे हैं। इसी कड़ी में परवलपुर के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी (एमओ) शैलेश कुमार भी काला बिल्ला लगाकर विभागीय कार्यों का निष्पादन कर रहे हैं।एमओ शैलेश कुमार ने बताया कि राशन कार्ड निर्माण अभियान में असंभव लक्ष्य निर्धारित कर न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं के अभाव में अधिकारियों पर दबाव बनाया जा रहा है। संघ की प्रमुख मांगों में विभागीय वाहन की स्वीकृति, कार्यालय के लिए संसाधन व बजट, वेतनमान विसंगति दूर करना और 18 वर्षों से लंबित संवर्ग पुनर्गठन शामिल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दौरान जनहित के कार्य बाधित नहीं होंगे, लेकिन मांगें पूरी न होने पर संघ आगे सामूहिक अवकाश और हड़ताल का रास्ता अपनाएगा।

वेल्डिंग गैस सिलेंडर फटने से युवक की मौत

पैतृक गांव पहुंचा शव

बीएनएम@ समस्तीपुर। मोहिउद्दीन नगर प्रखंड के बाकरपुर गांव निवासी शिवचंद्र राम के करीब 22 वर्षीय पुत्र सन्नी कुमार की चेन्नई में वेल्डिंग के दौरान गैस सिलेंडर फटने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना 18 अगस्त की है। सन्नी वहां रहकर मजदूरी करता था और गुरुवार देर शाम उसका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया।शुक्रवार को स्थानीय विधायक राजेश कुमार सिंह के प्रतिनिधि रविश कुमार सिंह ने मृतक के घर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी और विधायक की ओर से आर्थिक सहयोग प्रदान किया। उन्होंने बताया कि मृतक परिवार का अकेला कमाऊ सदस्य था। साथ ही, उन्होंने वरीय अधिकारियों से बात कर प्रवासी मजदूर योजना के तहत मिलने वाली दो लाख रुपये की सरकारी सहायता राशि जल्द दिलाने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर मदन सिंह, दिनेश सिंह, अभय कुमार गोलू सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

कृषि योजनाओं का पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंः डीएम

डीएम की अध्यक्षता में 'आत्मा' शासी परिषद की बैठक आयोजित

बीएनएम@ समस्तीपुर

जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में आत्मा शासी परिषद (एटीएमए गवर्निंग बोर्ड) की एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास, किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने तथा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान कृषि क्षेत्र में तकनीकी हस्तक्षेप, किसानों के प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण, नवीन कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार, फसल विविधीकरण तथा कृषि आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने किसानों तक कृषि वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की तकनीकी जानकारी को प्रभावी रूप से पहुंचाने पर विशेष बल दिया।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आत्मा के माध्यम से संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचे। किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों, आधुनिक यंत्रों, वैज्ञानिक खेती, जैविक व प्राकृतिक कृषि तथा बागवानी के प्रति नियमित रूप से जागरूक किया जाए।बैठक का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करना है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि योजनाओं का वास्तविक लाभ खेत और किसान तक पहुंचना चाहिए। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला कृषि पदाधिकारी, आत्मा के परियोजना निदेशक सहित कृषि विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जदयू किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक आयोजित

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड के कठार में स्थित पेट्रोल पंप परिसर में शुक्रवार को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक के मुख्य अतिथि जदयू किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार रहे, जबकि अध्यक्षता किसान प्रकोष्ठ के महासचिव मनीष सिंह राणा ने और संचालन मुन्ना सिंह ने किया।बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ संगठन की एक बेहद मजबूत कड़ी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए उन्हें गांव-गांव जाकर किसानों की समस्याओं को समझना होगा और उन्हें पार्टी से जोड़ना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों एवं सरकार की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने का निर्देश दिया।इस अवसर पर मधुबनी प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुशवाहा, जीतन जायसवाल, मुकेश वर्मा, वीरेंद्र तिवारी, अभिषेक गुप्ता, संदीप तिवारी, रंजन यादव, विजय वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गया जी : मनोवैज्ञानिक एवं क्लिनिकल पहलुओं के साथ विद्यार्थियों को बताए गए नशे से बचाव के उपाय

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव : डॉ. प्रेम कुमार

» चित्रकला एवं लूडो प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित

बीएनएम@ गया जी

मानपुर प्रखंड स्थित +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय, रसलपुर में केंद्रीय संचार ब्यूरो (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार) के क्षेत्रीय कार्यालय, गया की ओर से 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत 'विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा' विषय पर एकदिवसीय जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार विधानसभा के अध्यक्ष सह स्थानीय विधायक डॉ. प्रेम कुमार ने किया।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सीनियर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. श्वेता कुमारी और विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार प्रवीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आरंभ में क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी भानु कुमार झा ने स्वागत भाषण देते हुए विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने शिक्षकों से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के 'मानस' एप्लिकेशन को इंस्टॉल करने का भी आग्रह किया।डॉ. श्वेता कुमारी ने नशे की लत के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को तनाव से निपटने के लिए सकारात्मक 'कोपिंग मैकेनिज्म' और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। मुख्य अतिथि डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं का नशामुक्त होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान पूर्व-प्रचार गतिविधियों के तहत आयोजित चित्रकला और लूडो प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों—आराध्या कुमारी, निशु कुमारी, श्वेता कुमारी, गुंजा कुमारी और सुहानी कुमारी—को अतिथियों द्वारा मेडल, उपहार और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, विभाग के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए मार्मिक नाटक के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन हर्ष सिन्हा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अरविंद कुमार ने किया।

मोहिउद्दीन नगर में संभावित बाढ़ को लेकर प्रशासनिक तैयारी तेज

अपर समाहर्ता ने की राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा

बीएनएम@ समस्तीपुर

मोहिउद्दीन नगर प्रखंड मुख्यालय स्थित पंचायत समिति भवन में शुक्रवार को आपदा प्रबंधन विभाग की एक महत्वपूर्ण बैठक अपर समाहर्ता (आपदा) राजेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए मोहिउद्दीन नगर और मोहनपुर प्रखंड में राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को समय रहते सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान मुख्य रूप से मोहनपुर अंचल में एसडीआरएफ टीम के आवासन की व्यवस्था और दोनों अंचलों में पर्याप्त संख्या में नावों की उपलब्धता तथा उनके सुरक्षित परिचालन पर चर्चा की गई। गंगा नदी सहित अन्य स्थानीय नदियों के बढ़ते जलस्तर पर लगातार नजर बनाए रखने और संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को चिह्नित कर पहले से ही पूरी तैयारी रखने को कहा गया।बाढ़ आपदा के दौरान पशुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पशुचारा उपलब्ध कराने और पशु राहत शिविरों के संचालन के संबंध में भी निर्देश दिए गए। इसके अलावा मानव स्वास्थ्य को लेकर विशेष सतर्कता बरतने पर जोर दिया गया। प्रभावित इलाकों में आवश्यकतानुसार मेडिकल कैंप लगाने, पर्याप्त दवाएं रखने तथा एंटी स्नेक वेनम एवं एंटी रेबीज के भंडारण को सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही, आपदा संपूर्ति पोर्टल पर सूचनाओं को नियमित अद्यतन करने और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था पर भी बल दिया गया।बैठक में मोहिउद्दीन नगर व मोहनपुर के अंचल अधिकारी, दोनों प्रखंडों के विकास पदाधिकारी, शिक्षा पदाधिकारी और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

एसपी के निर्देश पर 303 लीटर नेपाली शराब बरामद, तस्कर फरार

बीएनएम@ पताही

पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर शराब एवं तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पताही थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 303.60 लीटर नेपाली शराब बरामद की है। मामले में एक नामजद अभियुक्त फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पताही थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव में अवैध रूप से नेपाली शराब का भंडारण किया गया है। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जहां से 300 एमएल की 1012 बोतल नेपाली शराब जब्त की गई। बरामद शराब की कुल मात्रा 303.60 लीटर है। कार्रवाई के दौरान शराब कारोबार में संलिप्त गजेंद्र महतो (पिता– नन्हक महतो), निवासी गम्हरिया, अंधेरे और खेत का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शराब को जब्त कर उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पताही थाना पुलिस ने बताया कि फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

सुरक्षा क्षेत्र में 256 पदों पर बहाली के लिए विशेष शिविर

बेगूसराय में युवाओं को रोजगार का मौका

बीएनएम@ बेगूसराय

युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग तथा जिला नियोजनालय, बेगूसराय के तत्वावधान में एसआईएस इंडिया लिमिटेड ट्रेनिंग सेंटर द्वारा सुरक्षा क्षेत्र में कुल 256 पदों पर बहाली के लिए विशेष पंजीयन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि योग्य एवं इच्छुक पुरुष अभ्यर्थी निर्धारित तिथियों में अपने नजदीकी प्रखंड परिसर में पहुंचकर रोजगार के इस अवसर का पूरा लाभ उठा सकते हैं।इस विशेष नियोजन अभियान के तहत सुरक्षा सुपरवाइजर के 40 पद (योग्यताः 12वीं पास, उम्रः 19 से 40 वर्ष, वेतनः 22,000 से 35,000 रुपये), सुरक्षा जवान के 200 पद (योग्यताः 10वीं पास, उम्रः 19 से 40 वर्ष, वेतनः 13,000 से 22,000 रुपये), कैश कस्टोडियन के 10 पद (योग्यताः 12वीं पास, उम्रः 19 से 40 वर्ष, वेतनः 13,000 से 18,000 रुपये) तथा सुरक्षा अधिकारी के 06 पदों (योग्यताः स्नातक, उम्रः 19 से 40 वर्ष, वेतनः 33,000 से 40,000 रुपये) पर भर्ती की जाएगी।प्रखंडवार आयोजित होने वाले इन शिविरों की शुरुआत 24 अगस्त को मटिहानी प्रखंड परिसर से होगी, जिसके बाद 25 अगस्त को चेरिया बरियारपुर, 27 अगस्त को गढ़पुरा, 01 सितंबर को छौड़ाही, 02 सितंबर को नावकोठी तथा 03 सितंबर को बेगूसराय प्रखंड परिसर में शिविर लगाए जाएंगे। नियोजन कैंप में शामिल होने के लिए सभी अभ्यर्थियों का एनसीएस पोर्टल पर निबंधन होना अनिवार्य है, तथा उन्हें अपने साथ सभी मूल शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व अन्य आवश्यक दस्तावेज लेकर तय तिथि एवं समय पर उपस्थित होना होगा।

नाला में डूबने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत, जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम@ बेतिया

पश्चिम चंपारण के बैरिया थाना क्षेत्र के चुड़िहरवा टोला वार्ड-1 स्थित बैसिया नाला में डूबने से शुक्रवार की दोपहर 10 वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान ललन प्रसाद के पुत्र शिवम कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही बैरिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच, बेतिया भेज दिया।मृतक के पिता ललन प्रसाद ने बताया कि शुक्रवार को शिवम खेलते-खेलते घर के पीछे स्थित बैसिया नाला की ओर चला गया था। काफी देर तक उसके वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। दोपहर करीब तीन बजे बच्चे का शव नाले में उपलाता हुआ मिला, जिससे परिवार में कोहराम मच गया।थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि नाले में डूबने से बच्चे की मौत हुई है। पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवाकर मामले की जांच कर रही है।

ऑर्केस्ट्रा ग्रुप पर पुलिस की छापेमारी, दो नाबालिग बालिकाएं बरामद

पॉक्सो व बाल श्रम अधिनियम के तहत मामला दर्ज

बीएनएम@ बगहा

बगहा पुलिस ने चौतरवा थाना क्षेत्र में एक ऑर्केस्ट्रा ग्रुप पर छापेमारी कर उत्तर प्रदेश की दो नाबालिग बालिकाओं को सकुशल बरामद किया है। मानव व्यापार की आशंका के चलते पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑर्केस्ट्रा संचालक अनमोल यादव को हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए मानव व्यापार निरोध इकाई, बगहा की टीम को भी मौके पर बुलाया।एसपी राजेश कुमार ने बताया कि डायल-112 पर मिली गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने 'परी हंगामा ऑर्केस्ट्रा' ग्रुप पर दबिश दी थी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि दोनों बालिकाएं उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए चौतरवा थाना में कांड संख्या 310/26 दर्ज किया गया है।पुलिस ने इस मामले में बीएनएस की सुसंगत धाराओं के साथ किशोर न्याय अधिनियम, बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम और पॉक्सो अधिनियम की सख्त धाराएं लगाई हैं। नामजद आरोपी संचालक अनमोल यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं, मामले में संलिप्त अन्य लोगों की भूमिका की गहन जांच की जा रही है। बरामद बालिकाओं को कानूनी संरक्षण प्रदान करते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस छापेमारी दल में थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार और डायल-112 की टीम शामिल रही।

विद्यार्थी सहयोग शिविर के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

» सात निश्चय-3 के तहत शिक्षा व्यवस्था होगी मजबूत

बीएनएम@ बेगूसराय

राज्य सरकार के 'सात निश्चय-3' कार्यक्रम के तहत "सबका सम्मान, जीवन आसान" के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए, शुक्रवार को कारगिल विजय सभा भवन में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रभारी जिला पदाधिकारी सह उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले के चयनित विद्यालयों और महाविद्यालयों के प्राचार्य व नोडल पदाधिकारी शामिल हुए।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' पोर्टल के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके तहत पोर्टल पर संस्थान और विद्यार्थियों के पंजीकरण, शिकायतें व सुझाव दर्ज करने और प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की पूरी प्रक्रिया समझाई गई। मयंक सीएम फेलो, जिला आईटी प्रबंधक अजीत कुमार, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी मनीष कुमार मिश्रा और जिला समन्वयक विश्वजीत कुमार ने तकनीकी पहलुओं पर जानकारी दी।जिले की शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार लाने के लिए अब प्रत्येक माह के चतुर्थ मंगलवार को 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में विद्यार्थियों की शैक्षणिक, आधारभूत, हॉस्टल और संस्थागत समस्याओं को सुना जाएगा। प्राप्त शिकायतों का 30 दिनों के भीतर गुणवत्तापूर्ण निपटारा सुनिश्चित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य छात्रों की समस्याओं का पारदर्शी समाधान करना और उनकी सक्रिय भागीदारी से शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाना है।

विरोध प्रदर्शन मौलिक अधिकार

सर्वोच्च न्यायालय पहले यह कह चुका है कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रतिरोध पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि विरोध प्रदर्शन संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार है। अब इस पैमाने को नहीं बदला जाना चाहिए।

यह निराशाजनक है कि सर्वोच्च न्यायालय ने जंतर-मंतर से हटा कर प्राथमिक प्रतिरोध स्थल को रामलीला मैदान तय करने की याचिका को गंभीरता से लिया। नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के आयोजन पर पहले ही कई बंदिशें लग चुकी हैं। ऐसे में आशंका है कि सुप्रीम कोर्ट के ऐसी याचिका को अहमियत देने को सरकार एक अवसर के रूप में ले सकती है। इस हफ्ते एक जनहित याचिका दायर की गई, जिसमें मांग की गई है कि राष्ट्रीय राजधानी में रामलीला मैदान को प्राथमिक प्रदर्शन स्थल बनाया जाए। कोर्ट ने इसे "महत्वपूर्ण मामला" मानते हुए सॉलिसिटर जनरल को केंद्र से इस पर सलाह लेने का निर्देश दिया।

यहां यह याद करना उचित होगा कि तीन दशक पहले विरोध प्रदर्शन का प्राथमिक स्थल बोट क्लब था, जो संसद भवन और राष्ट्रपति भवन के ठीक सामने है। विरोध के स्वर के प्रति असहनशीलता दिखाते हुए तत्कालीन सत्ताधारियों ने प्राथमिक प्रदर्शन स्थल को जंतर-मंतर तय कर दिया। दिल्ली पुलिस के मौजूदा नियमों के अनुसार किसी प्रदर्शन में 1,000 से कम लोग शामिल होने हों, तो जंतर-मंतर पर आयोजन की अनुमति दी जाती है। 1,000 से अधिक संभावित उपस्थिति के लिए रामलीला मैदान तय किया गया है। अभी हाल में जंतर-मंतर पर हुए 'कॉकरोचÓ प्रदर्शन से सरकार के लिए कठिन स्थितियां पैदा हुईं। जंतर-मंतर से भी दूरी कम है, इसलिए वहां से संसद मार्च आयोजित करना आसान रहा है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। इस सिलसिले में खुद सर्वोच्च न्यायालय के 2018 में दिए एक निर्णय को याद करना उचित होगा, जब कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों को रामलीला मैदान शिफ्ट करने के एक आदेश को खारिज कर दिया था। अदालत ने कहा था कि जंतर-मंतर या बोट क्लब जैसी जगहों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि विरोध प्रदर्शन संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार है। अब इस पैमाने को नहीं बदला जाना चाहिए। लोगों की आवाज संसद और सरकार तक पहुंच सके, इसके लिए निकटतम जगह पर प्रदर्शन के जन अधिकार की रक्षा अति अवश्यक है।

सेमीकंडक्टर और एआई क्रांति

भविष्य को सशक्त बनाना

चिप्स से एआई तक : भारत की टेक्नोलॉजी लीडरशिप का निर्माण

सेमीकंडक्टर आधुनिक तकनीक की आधारशिला हैं। स्मार्टफोन, वाहन, उपग्रह और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों से लेकर आधुनिक औद्योगिक उपकरणों तक लगभग हर क्षेत्र में इनका उपयोग होता है। वहीं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से विस्तार के कारण उन्नत चिप, विशेष प्रोसेसर और उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक-दूसरे से गहराई से जुड़ गए हैं।

भारत इसी बदलते तकनीकी परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए चिप डिजाइन और विनिर्माण से लेकर उन्नत पैकेजिंग, कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे और स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल तक अपनी क्षमताओं का तेजी से विस्तार कर रहा है। सरकार की विभिन्न पहलों के माध्यम से दोनों क्षेत्रों को जोड़ते हुए ऐसा एकीकृत तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया जा रहा है, जो आत्मनिर्भरता, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। जब भारत अपनी स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ मना रहा है, तब ये क्षमताएं वैश्विक तकनीकी नेतृत्व और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही हैं।

सेमीकंडक्टरः तकनीकी आत्मनिर्भरता की नींव

भारत सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में घरेलू क्षमताएं विकसित कर रहा है। इसमें चिप डिजाइन, विनिर्माण, उन्नत पैकेजिंग, परीक्षण, उपकरण और आवश्यक सामग्री से लेकर कुशल मानव संसाधन तैयार करना शामिल है। घरेलू क्षमता मजबूत होने से भारत भविष्य की महत्वपूर्ण तकनीकों के विकास और विनिर्माण में अधिक सक्षम हो रहा है।

सेमीकॉन 1.0 ने रखी आत्मनिर्भरता की नींवः भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के लिए सेमीकॉन 1.0 के तहत 76 हजार करोड़ रुपये के बजट के साथ आधार तैयार किया गया। इसके अंतर्गत चिप डिजाइन, विनिर्माण, पैकेजिंग, परीक्षण, उपकरण, सामग्री और कुशल प्रतिभाओं सहित पूरी मूल्य श्रृंखला को समर्थन दिया गया।

अब सेमीकॉन 2.0 इस आधार को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। जुलाई 2026 में इसके लिए 1 लाख 27 हजार 500 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई। सेमीकॉन इंडिया 2.0 छह रणनीतिक स्तंभों पर केंद्रित है। इनमें चिप डिजाइन, मशीन और सामग्री, सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र, उन्नत परीक्षण एवं पैकेजिंग, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा विकास शामिल हैं। यह एकीकृत दृष्टिकोण आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने, घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाने और भारत को भविष्य के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में मदद करेगा।

नीति से उत्पादन तक पहुंचा सेमीकंडक्टर कार्यक्रमः भारत में छह राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। इनमें 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं में सिलिकॉन और कंपाउंड सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र, डिस्प्ले निर्माण तथा उन्नत पैकेजिंग सुविधाएं शामिल हैं। इनमें से तीन सुविधाओं में वाणिज्यिक उत्पादन भी शुरू हो चुका है। यह भारत के सेमीकंडक्टर कार्यक्रम के नीति निर्माण से आगे बढ़कर वास्तविक विनिर्माण की दिशा में पहुंचने का संकेत है।

इन सुविधाओं से वाहन उद्योग, दूरसंचार, अंतरिक्ष एवं विमानन, विद्युत इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए महत्वपूर्ण घटकों की आपूर्ति होने की उम्मीद है। सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र कच्चे सिलिकॉन वेफर को कार्यशील एकीकृत परिपथ और सूक्ष्मचिप में बदलते हैं। डिस्प्ले निर्माण संयंत्र मोबाइल फोन, कारों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए सपाट तथा लचीली स्क्रीन तैयार करते हैं। वहीं उन्नत पैकेजिंग तकनीक संवेदनशील चिप को सुरक्षा प्रदान करती है, जिससे उनका प्रदर्शन और उपयोग अवधि बेहतर होती है।

स्वदेशी चिप डिजाइन को मिल रहा बढ़ावाः भविष्य की कार्यबल जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार ने चिप्स टू स्टार्ट-अप जैसी पहलों के माध्यम से सेमीकंडक्टर कौशल विकास पर जोर दिया है। इसके तहत 320 शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन स्वचालन उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं और 68 हजार से अधिक छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया है। इससे विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को उन्नत चिप डिजाइन क्षमता तक पहुंच मिल रही है।

डिजाइन आधारित प्रोत्साहन योजना के तहत 24 सेमीकंडक्टर डिजाइन परियोजनाओं को वित्तीय सहायता दी गई है। इसके अतिरिक्त 105 स्टार्ट-अप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन स्वचालन उपकरणों के लिए सहायता प्रदान की गई है। इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन स्वचालन उपकरण ऐसे सॉफ्टवेयर मंच हैं, जिनका इस्तेमाल सेमीकंडक्टर चिप को डिजाइन, अनुकरण, सत्यापन और बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। इनके माध्यम से निर्माण से पहले संभावित त्रुटियों का पता लगाया जाता है और चिप की कार्यक्षमता, ऊर्जा दक्षता तथा विश्वसनीयता को बेहतर किया जाता है। अप्रैल 2026 तक 75 संस्थानों द्वारा 211 चिप डिजाइन का अंतिम डिजाइन चरण पूरा किया जा चुका था। इनमें से सात चिप का अलग-अलग तकनीकी स्तरों पर सफल निर्माण भी किया गया है, जिसमें 12 नैनोमीटर जैसे उन्नत स्तर शामिल हैं। सेमीकॉन 2.0 के तहत सेमीकंडक्टर बौद्धिक संपदा, चिप और प्रणाली डिजाइन को और बढ़ावा देने का लक्ष्य है। इससे वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है। भारत अमेरिका, जापान, सिंगापुर, नीदरलैंड, जर्मनी और यूरोपीय संघ सहित कई देशों और समूहों के साथ सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तकनीकी सहयोग बढ़ा रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2025 में 48 देशों और क्षेत्रों से 350 से अधिक प्रदर्शक और प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम में 35 हजार से अधिक पंजीकरण, 30 हजार लोगों की प्रत्यक्ष मौजूदगी और 25 हजार ऑनलाइन दर्शक दर्ज किए गए। कार्यक्रम के दौरान उत्पाद विकास, सेवाओं और सेमीकंडक्टर कौशल विकास को मजबूत करने के लिए 12 समझौता ज्ञापनों की घोषणा की गई। इन साझेदारियों से भारतीय कंपनियों को वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला से जोडऩे और घरेलू क्षमताओं को तेजी से विकसित करने में मदद मिल रही है।

भारत की अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता व्यवस्था तैयार करने की दिशा में बड़ा कदमः सेमीकंडक्टर के साथ भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी व्यापक क्षमता विकसित कर रहा है। लगभग 10 हजार 372 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ स्वीकृत इंडिया एआई मिशन का उद्देश्य सुरक्षित, समावेशी और भारतीय जरूरतों के अनुरूप कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षमताएं विकसित करना है। मिशन कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नवाचार, आर्थिक विकास और सार्वजनिक सेवाओं के प्रभावी वितरण के लिए रणनीतिक क्षमता के रूप में विकसित करने पर केंद्रित है। 45 हजार से अधिक जीपीयू की साझा कंप्यूटिंग क्षमताः जून 2026 तक इंडिया एआई मिशन के तहत साझा कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाकर 45 हजार से अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग इकाइयों तक पहुंचाई गई है। अगस्त 2026 तक 237 परियोजनाओं ने रियायती कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंप्यूटिंग सुविधा का लाभ उठाया है। इन परियोजनाओं के लिए 93.18 लाख ग्राफिक्स प्रोसेसिंग इकाई घंटे उपलब्ध कराए गए हैं। इससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल के विकास, प्रशिक्षण, परीक्षण और शोध के लिए उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग अधिक किफायती ढंग से उपलब्ध हो रही है। इसका लाभ भारतीय शोधकर्ताओं, स्टार्ट-अप और नवोन्मेषकों को मिल रहा है।

ग्राफिक्स प्रोसेसिंग इकाई क्या है?ः ग्राफिक्स प्रोसेसिंग इकाई एक विशेष प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसर है, जिसे ग्राफिक्स, चित्र प्रसंस्करण और बड़े स्तर की गणनाओं को तेजी से करने के लिए तैयार किया जाता है। आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों के प्रशिक्षण और संचालन में इसका महत्वपूर्ण उपयोग होता है। स्वदेशी आधारभूत कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल पर जोर

सरकार ने 506 आवेदनों में से 20 स्वदेशी आधारभूत कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल प्रस्तावों का चयन किया है। इनमें 12 बड़े बहु-माध्यम मॉडल और आठ छोटे भाषा मॉडल शामिल हैं। इन मॉडलों के विकास से भारतीय भाषाओं, जरूरतों और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक तैयार करने की क्षमता मजबूत होगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए तैयार हो रहा डिजिटल आधारः जुलाई 2026 तक एआई कोष में 14 हजार से अधिक डेटासेट और 331 कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल उपलब्ध थे। यह संसाधन शोधकर्ताओं, विकासकर्ताओं और नवोन्मेषकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित समाधान तैयार करने तथा उन्हें बड़े स्तर पर लागू करने में सहायता दे रहे हैं। अगस्त 2026 तक इंडिया एआई पहलों के तहत 62 कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रोटोटाइप विकसित किए जा चुके हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में 20 कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाधान लागू किए गए हैं। इसके अलावा 11 राष्ट्रीय स्तर के हैकाथॉन और नवाचार प्रतियोगिताएं नए विचारों को व्यावहारिक समाधानों में बदलने की दिशा में काम कर रही हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्कृष्टता केंद्रों का विस्तारः अगस्त 2026 तक विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 58 कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्कृष्टता केंद्रों को मंजूरी दी गई है।

कब तक जारी रहेगा जहरीली शराब का जानलेवा कहर ?

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें ड्राई स्टेट शराबबंदी वाले राज्यों से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला अगस्त 2026 में गुजरात के भावनगर का है, जहां नकली विदेशी शराब के नाम पर बेची गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं। जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बना हुआ है। ट्रांसनेशनल अलायंस टू कॉम्बैट इलिसिट ट्रेड जैसी संस्थाओं के अनुसार, भारत में अवैध शराब की खपत दुनिया के सबसे बड़े अवैध बाजारों में से एक है। यह न केवल सरकारी राजस्व को भारी चोट पहुँचाता है, बल्कि इसके कारण हर साल सैकड़ों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है।देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून और समाज के सामने एक गंभीर सवाल हैं । कुछ दिन सप्ताह माह के अन्तराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बैठती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला ठंडे बस्ते में पहुंच जाता है। फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ? आपको बता दें कि ताजा मामला गुजरात के भावनगर जिले का है। गुजरात उन राज्यों में है जहां लंबे समय से शराबबंदी लागू है। इसके बावजूद भावनगर में कथित नकली शराब पीने के बाद कई लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की घटना सामने आई है। स्थानीय प्रशासन ने चार लोगों की मौत की जानकारी दी थी, जबकि अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा था। शुरुआती रिपोटों में मौतों की संख्या कम थी, जो बाद में बढ़ी। यह घटना इसलिए भी अधिक गंभीर है, क्योंकि जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच कैसे रही है? पुलिस की शुरुआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया है। लेकिन भावनगर कोई पहली घटना नहीं है।हाल ही में मई माह में महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ त्रासदी इलाकों में जहरीली शराब पीने से 14 से 18 लोगों की जान चली गई। पुलिस जांच के अनुसार, अवैध रूप से अधिक मुनाफा कमाने के लिए इंडस्ट्रियल ग्रेड का घातक मेथनॉल मिक्स किया गया था।मई माह में ही पंजाब के अमृतसर के पांच गांवों में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हुई थी। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे। सवाल है कि चार वर्ष बाद भी यदि नकली शराब लोगों तक पहुंच रही है तो पिछली कार्रवाई से हमने आखिर सीखा क्या? यह समस्या केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। पंजाब, बिहार, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य समय-समय पर ऐसी त्रासदियों के गवाह बने हैं। तमिलनाडु के कालाकुरिची में जून 2024 में मेथेनॉल मिली अवैध शराब ने दर्जनों परिवारों को उजाड़ दिया था। आधिकारिक कार्रवाई के दौरान अवैध शराब जब्त हुई, गिरफ्तारियां हुई और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भी अवैध एवं नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को अलग श्रेणी में दर्ज किया जाता है। उपलब्ध एनसीआरबी आधारित डेटा 2012 से 2024 तक राज्य वार ऐसी मौतों का हवाला देता है। इससे इतना तो साफ है कि यह किसी एक राज्य या एक क्षेत्र विशेष की समस्या नहीं, बल्कि दशकों से चली आ रही एक खतरनाक चुनौती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अक्सर इन घटनाओं में मरने वाले लोग समाज के आर्थिक रूप से दुर्बल कमजोर वर्ग से आते हैं। सस्ती शराब की तलाश उन्हें ऐसे अवैध कारोबारियों तक पहुंचा देती है जिन्हें न गुणवत्ता की चिंता होती है, न कानून का भय और न इंसानी जीवन की कीमत का एहसास। अधिक नशा पैदा करने या लागत कम रखने के लिए शराब में मेथेनॉल जैसे जहरीले रसायनों की मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है। कल्लाकुरिची मामले में भी मेथेनॉल मिश्रित शराब की पुष्टि सामने आई थी। अधिकरत देखा जाता है कि हर बड़ी आसदी के बाद प्रशासन की एक परिचित तस्वीर सामने आती है। छापेमारी शुरू होती है, अवैध ठिकाने बंद किए जाते हैं, संदिग्ध गिरफ्तार होते हैं और पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा जाता है। लेकिन असली चुनौती घटना के बाद कार्रवाई करने की नहीं, घटना होने से पहले नेटवर्क को समाप्त करने की है। अवैध शराब का कारोबार अकेले किसी गली या गांव में बैठा व्यक्ति नहीं चला सकता। कच्चा माल कहां से आता है? बोतलें कहां बनती हैं? लोकप्रिय कंपनियों के नाम और लेबल की नकल कैसे होती है? माल एक जिले से दूसरे जिले और कई बार एक राज्य से दूसरे राज्य तक कैसे पहुंचता है? परिवहन, भंडारण और बिक्री की जानकारी स्थानीय स्तर पर किसी को क्यों नहीं मिलती? यदि वर्षों तक कारोबार चलता रहता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही, स्थानीय संरक्षण या भ्रष्ट तंत्र भी इसका रास्ता आसान कर रहा है। शराबबंदी वाले राज्यों के लिए यह समस्या और बड़ी चुनौती है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

आज का राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आपको नई जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है, आज आप मार्केट से कोई मनपसंद सामान खरीदेंगे। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा, लोगों का व्यवहार आपके प्रति अच्छा रहेगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बिताएंगे। इस राशि की महिलाएं अपने बिजनेस में एक्टिव रहेंगी, आपको ज्यादा धनलाभ भी होगा। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय परिवार के साथ बिताएंगे।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन परेशान हो सकते है, लेकिन यह समय धैर्य पूर्वक काटने से जल्द ही सब कुछ नॉर्मल हो जायेगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें। निश्चित तौर पर आपको सफलता मिलेगी। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। कोई भी छोटा-बड़ा फैसला लेते वक्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनाफा होगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा। आपका जीवन प्रगति की ओर बढ़ रहा है, नई जिम्मेदारियों के लिए आप खुद को तैयार करेंगे। आज अपनी कार्यक्षमता के अनुसार आपको कुछ बड़े अवसर भी मिल सकते हैं। जिस प्रकार से क्षमता बढ़ेगी, उस प्रकार से बड़े अवसर भी मिलेंगे।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। थोड़ी विपरीत परिस्थितियां भी बनेंगी। आज किसी से विवाद की स्थिति में अपने गुस्से पर काबू रखें। आज लम्बी यात्रा का प्रोग्राम प्रोग्राम बन सकता है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका खुशहाल रहेगा। काम को पूरा करने में आ रही अड़चन आज समाप्त होंगी। इस राशि की महिलाएं जो घर पर ही कोई बिजनेस करने की सोच रही हैं, उनके लिए आज का दिन अच्छा है। सिंगर्स का कोई गाना लोगों को काफी पसंद आएगा। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन अच्छा गुजरने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट किसी टॉपिक में उलझ सकते हैं, बेहतरी के लिए आप किसी से हेल्प ले सकते हैं। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ हो सकती है।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को आज कोई भी निर्णय लेने से पहले उसपर गहन विचार कर लेना चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप तनाव की स्थिति में आ सकते हैं। अपने जीवनसाथी को किसी मामूली बात पर डांटने की बजाय विनम्रता से समझाएं जिससे अंडरस्टैंडिंग बढ़ेगी।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप कोई नया हुनर सीखेंगे। परिवार में किसी सदस्य से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज आपके घर में मेहमान आ सकते हैं, घर में खुशनुमा माहौल बना रहेगा। कृषकों के लिए दिन बढिय़ा रहेगा। कृषि कार्यों में प्रगति होगी आज अगर कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं तो आपको सफलता जरूर मिलेगी।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन बढिय़ा रहने वाला है। लम्बे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगाज्जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यों में मन लगाने से शांति मिलेगी, शाम का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका कॉन्फिडेंस बढ़ा रहेगा। इस राशि के बिजली विभाग के कर्मचारियों का आज दिन अच्छा रहेगा। जॉब की तलाश कर लोगों को अच्छी जॉब मिलने के योग हैं। आज आप दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर सेंसिटिव हो सकते हैं। काम में मन लगेगा आपको परिवार से सहयोग और सफलता मिलती रहेगी।

काले धन और अवैध सौदों का चक्र टूटेगा

रजनीश कपूर

समाज को चाहिए कि वह अपने आदर्श माने जाने वाली हस्तियों से उच्च नैतिक मानदंडों की अपेक्षा करे। फिर वो चाहे कोई प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता हो, आध्यात्मिक गुरु हो, उद्योगपति हो, या कोई अन्य मशहूर हस्ती, जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के काम करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए और अदालतों को समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करना चाहिए।

आए दिन हमें यह देखने को मिलता है कि उद्योग जगत, मनोरंजन जगत, आध्यात्मिक संस्थाओं और खेल जगत के कुछ नामी-गिरामी हस्तियों के नाम बार-बार 'मनी लॉन्ड्रिंगÓ, फर्जी सौदों और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन के मामलों में चर्चा में आते हैं। ये वे लोग हैं जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में अपनी मेहनत, प्रतिभा और लोकप्रियता से करोड़ों प्रशंसकों का दिल जीता है। फिर भी इनमें से कुछ लोग ऐसे हैं जो अपनी अच्छी छवि को दाव पर लगाकर काले धन के सौदों में उलझ जाते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल उनके व्यक्तिगत पतन का संकेत है, बल्कि पूरे समाज में भ्रष्टाचार की जड़ों को और मजबूत करती है।

गौरतलब है कि इन हस्तियों के पास पहले से ही करोड़ों की अपार संपत्ति, ब्रांड एंडोर्समेंट, फिल्मों या मैचों से की गई कमाई और सामाजिक प्रतिष्ठा होती है। फिर भी वे अवैध गतिविधियों की ओर क्यों आकर्षित होते हैं? एक बड़ा कारण है लोभ। सफलता के बाद भी और अधिक धन और अधिक पावर की भूख कभी नहीं मिटती। कई बार वे सोचते हैं कि उनकी छवि इतनी मजबूत है कि कोई उन पर उंगली नहीं उठाएगा। कुछ लोग अपने व्यवसाय को 'विविधीकरणÓ का नाम देकर रियल एस्टेट, शेल कंपनियों, दान के नाम पर काले धन को सफेद करना या विदेशी खातों के जरिए धन छिपाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में उन्हें अपनी बनाई हुई प्रतिष्ठा एक सुरक्षा कवच लगती है, लेकिन असल में यह उनके गिरने का कारण बन जाती है।

कई मामलों में यह भी देखने को मिलता है कि ये लोग अपने सरकारी संपर्कों और प्रभावशाली लोगों से परिचित होने के कारण अत्यधिक आत्मविश्वास महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि जांच एजेंसियां उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करेंगी या मामला दबा दिया जाएगा। यह आत्मविश्वास अक्सर गलत साबित होता है, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका होता है। लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है, चाहे वह कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो। फिर भी व्यवहार में कई बार प्रभावशाली लोगों के खिलाफ जांच धीमी पड़ जाती है या सबूतों की कमी का हवाला देकर मामले

कमजोर हो जाते हैं। भारत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग और अन्य एजेंसियां जब ऐसे मामलों की जांच करती हैं, तो अक्सर आरोपियों को सजा नहीं दिला पाती। इसके कई कारण हो सकते हैं; जटिल कानूनी प्रक्रियाएं, सबूतों की कमी, गवाहों का दबाव में आना या लंबी अदालती सुनवाई। कभी-कभी राजनीतिक प्रभाव या संसाधनों की कमी भी जांच को प्रभावित करती है। लेकिन ऐसे 'जाहिर कारणोंÓ से बरी होना या मामला रुक जाना समाज में गलत संदेश देता है। आम आदमी सोचता है कि कानून सिर्फ कमजोरों के लिए है। यह धारणा लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। इस स्थिति में अदालतें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। स्वतंत्र न्यायपालिका को चाहिए कि वह ऐसे मामलों में तेजी से सुनवाई करे, सबूतों का निष्पक्ष मूल्यांकन करे और दोषियों को उचित सजा दे। विशेष अदालतें या फास्ट-ट्रैक प्रक्रियाएं मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आर्थिक अपराधों के लिए बनाई जा सकती हैं। अदालतें एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दे सकती हैं कि जांच में देरी न की जाए और कोई भी प्रभाव जांच को बाधित न करे। साथ ही, अगर कोई व्यक्ति अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके जांच को प्रभावित करने की कोशिश करे तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। न्याय तभी प्रभावी होगा जब वह बिना भेदभाव के लागू हो।

ज़रूरत है तो इस मुद्दे पर जागरूकता फैलाना की। जनता को समझना चाहिए कि सेलेब्रिटीज की चमकदार जिंदगी के पीछे कई बार काले कारोबार की छाया होती है। मीडिया और जागरूक नागरिकों को ऐसे मामलों की लगातार निगरानी करनी चाहिए। एजेंसियों को चाहिए कि वे शिकायतों को गंभीरता से लें, चाहे आरोपी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो। शिकायत दर्ज होने के बाद प्रारंभिक जांच तुरंत शुरू होनी चाहिए और सबूतों को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। यदि शिकायत में गंभीर आरोप हों और उसके ठोस प्रमाण भी संलग्न हों तो जांच एजेंसियों जिम्मेदारी हो कि शिकायतकर्ता की पहचान को गुप्त रखा जाए। कानून के जानकार मानते हैं कि शिकायत दर्ज कराने के लिए ठोस सबूत जरूरी होते हैं। सामान्य दस्तावेजी सबूतों में बैंक स्टेटमेंट, प्रॉपर्टी दस्तावेज, कंपनी रजिस्ट्रेशन पेपर्स, इनकम टैक्स रिटर्न और संदिग्ध लेन-देन के रिकॉर्ड शामिल हो सकते हैं। डिजिटल सबूत आज के समय में सबसे महत्वपूर्ण हैं; ऑडी-वीडियो रिकॉर्डिंग, ईमेल, व्हाट्सएप या अन्य मैसेजिंग ऐप के चैट, सोशल मीडिया पोस्ट, डिजिटल वॉलेट के लेन-देन, क्रिप्टोकरेंसी ट्रांजेक्शन, क्लाउड स्टोरेज में सेव की गई फाइलें और सर्वर लॉग। ये सबूत समय-स्टैम्प के साथ उपलब्ध होने चाहिए और 'चेन ऑफ कस्टडीÓ बनाए रखते हुए पेश किए जाने चाहिए।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में लियोन को बाहर कर सकती है ऑस्ट्रेलिया, रेनशॉ की वापसी तय

एजेंसी, मैकाय

ऑस्ट्रेलिया बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में ऑफ स्पिनर नाथन लियोन को बाहर कर तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरने पर विचार कर रही है। वहीं, बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ की टीम में वापसी तय हो गई है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि अंतिम एकादश पर फैसला शनिवार को टॉस से पहले मैदानी परिस्थितियों का निरीक्षण करने के बाद लिया जाएगा। टीम प्रबंधन ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में होने वाले पहले टेस्ट को देखते हुए स्कॉट बोलैंड को शामिल कर पूरी तरह तेज गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरने पर विचार कर रहा है। कमिंस की कप्तानी में फिट रहने पर लियोन को ऑस्ट्रेलिया ने कभी टेस्ट टीम से बाहर नहीं किया है। हालांकि, पिछले साल गुलाबी गेंद से खेले गए टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया दो बार बिना स्पिनर के सभी तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरा था। रेनशॉ ने अपना आखिरी टेस्ट 2023 में भारत के खिलाफ खेला था। अब उनकी वापसी लगभग तय है। वह फिर से पारी की शुरुआत करते नजर आ सकते हैं। रेनशॉ ने 2016-17 में पाकिस्तान के खिलाफ 20 साल की उम्र में सलामी बल्लेबाज के तौर पर शतक लगाया था। क्वींसलैंड के इस बल्लेबाज ने मैकाय में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दो शतक भी लगाए हैं। वह जेक वेदराल्ड की जगह टीम में आए हैं। वेदराल्ड को एक टेस्ट के बाद ही टीम से बाहर कर दिया गया है।

ऑस्ट्रेलिया टीमः पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

बांग्लादेश टीमः नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, मोमिनुल हक शोहराब, मुशफिकुर रहीम, लिटन दास, अमीते हसन, जाकेर अली अनिक, ताइजुल इस्लाम, तस्किन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, एबादत हुसैन चौधरी, मुस्फिक हसन, शरीफुल इस्लाम।

हॉकी विश्व कपः सेमीफाइनल की राह में भारत के सामने नीदरलैंड्स की कड़ी चुनौती

एजेंसी, एम्सटेलवीन । एफआईएच हॉकी विश्व कप बेल्जियम-नीदरलैंड्स 2026 के दूसरे चरण में भारतीय पुरुष और महिला टीमों के सामने ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड्स की कड़ी चुनौती होगी। दोनों भारतीय टीमों ने अपने-अपने पूल में दूसरा स्थान हासिल कर दूसरे चरण में जगह बनाई है।

भारतीय महिला टीम शुक्रवार रात 9:30 बजे एम्सटेलवीन के वागेनर स्टेडियम में पूल ई के मुकाबले में मेजबान नीदरलैंड्स का सामना करेगी। भारत ने पहले चरण में दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से हराया, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला गोलरहित ड्रॉ रहा। इससे पहले चीन के खिलाफ भी भारत ने ड्रॉ खेला था। भारत और चीन के बीच ड्रॉ के कारण दोनों टीमों के खाते में एक-एक अंक है, जो दूसरे चरण में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। पूल ई और एफ की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। नीदरलैंड्स के बाद भारतीय महिला टीम 23 अगस्त को रात 10:30 बजे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी।

पुरुष टीम के सामने भी नीदरलैंड्स : भारतीय पुरुष टीम 22 अगस्त को शाम 7:30 बजे नीदरलैंड्स के खिलाफ दूसरे चरण का अपना पहला मुकाबला खेलेगी। इसके बाद 24 अगस्त को शाम 6:15 बजे अर्जेंटीना से भिड़ेगी। पुरुष टीम हालांकि दूसरे चरण में कोई अंक साथ लेकर नहीं जाएगी। पूल डी में इंग्लैंड ने भारत को 4-2 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया और वह एक अंक लेकर आगे बढ़ा है। भारत ने वेल्स को 3-1 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की थी और इसके बाद पाकिस्तान को 5-3 से हराकर पूल में दूसरा स्थान हासिल किया।

सेमीफाइनल की राह होगी चुनौतीपूर्ण : नीदरलैंड्स पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीत चुका है। ऐसे में दोनों भारतीय टीमों के लिए मेजबान टीम के खिलाफ मुकाबला बेहद चुनौतीपूर्ण होगा।

महिला डीपीएल में जीत के बाद तनीषा सिंह बोलीं- टीम पर दबाव नहीं, जिम्मेदारी थी

एजेंसी, नई दिल्ली

गत चैंपियन साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने महिला दिल्ली प्रीमियर लीग-2026 (महिला डीपीएल) में शानदार शुरुआत करते हुए गुरुवार को अरुण जेटली स्टेडियम में सेंट्रल दिल्ली क्वींस को 29 रन से हरा दिया। टीम की जीत में तनीषा सिंह और निशिका सिंह की अर्धशतकीय पारियों ने अहम भूमिका निभाई। शुरुआती विकेट जल्दी गिरने के बाद तनीषा ने निशिका के साथ मिलकर पारी को संभाला और 82 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। तनीषा ने मैच के बाद कहा, "मैं इसे दबाव नहीं, जिम्मेदारी के तौर पर देखती हूं। टीम ने मुझे स्पष्ट भूमिका दी थी कि क्रीज पर समय बिताना है, स्ट्राइक रोटेट करनी है और मौका मिलने पर बाउंड्री लगानी है। मुझे अपनी क्षमता पर भरोसा था और पता था कि अगर मैं क्रीज पर टिकी रही तो रन जरूर आएंगे।" निशिका के साथ साझेदारी के दौरान अपनी रणनीति के बारे में तनीषा ने कहा कि दोनों बल्लेबाजों का लक्ष्य अधिक से अधिक समय क्रीज पर बिताना और लगातार एक-दो रन लेकर गेंदबाजों पर दबाव बनाना था। उन्होंने कहा, "निशिका और मैं लगातार बात कर रहे थे कि क्रीज पर ज्यादा समय बिताना है और सिंगल लेते रहना है। सिंगल गेंदबाज पर अलग तरह का दबाव बनाता है और इससे उसे खराब गेंद डालने के लिए मजबूर होना पड़ता है। ओवर में अगर हमें एक बाउंड्री मिल जाती थी तो हम उसका फायदा उठाकर बड़ा ओवर बनाने की कोशिश करते थे।"

विशाखापत्तनम में 22-23 अगस्त को होगी ब्रिक्स युवा और खेल मंत्रियों की बैठक

एजेंसी, नई दिल्ली । भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 22 और 23 अगस्त को क्रमशः ब्रिक्स युवा और खेल मंत्रियों की बैठक होगी। इसमें ब्रिक्स के सभी 11 सदस्य देशों के युवा एवं खेल मंत्री तथा प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख शामिल होंगे। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया इन बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे भी बैठक में हिस्सा लेंगी। ब्रिक्स युवा मंत्रियों की 22 अगस्त को होने वाली बैठक में युवा विकास और सशक्तीकरण के लिए सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता, कल्याण और सतत विकास जैसे मुद्दे बैठक के प्रमुख एजेंडे में रहेंगे। बैठक में ब्रिक्स युवा परिषद और ब्रिक्स युवा शिखर सम्मेलन से प्राप्त सिफारिशों पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही भविष्य की ब्रिक्स अध्यक्षताओं के दौरान सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान की जाएगी। ब्रिक्स खेल मंत्रियों की 23 अगस्त को होने वाली बैठक में खेल के क्षेत्र में सदस्य देशों के बीच सहयोग मजबूत करने पर चर्चा होगी। भारत की अध्यक्षता के दौरान पारंपरिक एवं स्वदेशी खेल, खेल प्रौद्योगिकी और खेल विनिर्माण को प्रमुख प्राथमिकता दी गई है। बैठक में ब्रिक्स खेल संयुक्त घोषणा को अपनाया जाएगा।

चार महीने बाद कोर्ट पर लौटेंगे कार्लोस अल्कराज, अमेरिकी ओपन में करेंगे वापसी

एजेंसी, वॉशिंगटन

स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज चार महीने के चोटिल ब्रेक के बाद 30 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन से टेनिस कोर्ट में वापसी करेंगे। फिलहाल कलाई की चोट के कारण अल्कराज अप्रैल से कोर्ट से दूर हैं। अल्कराज ने 14 अप्रैल के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है। चोट के कारण वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। अब उनकी नजर अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने पर है। अल्कराज ने ट्रांसफर पत्रकार फैब्रिजियो रोमानो के साथ साझा सोशल मीडिया पोस्ट में "हियर वी गो!" लिखकर अमेरिकी ओपन में अपनी वापसी की पुष्टि की। पोस्ट में अमेरिकी ध्वज और विमान का संकेत भी शामिल था। अप्रैल में बार्सिलोना ओपन के दौरान चोटिल होने के बाद अल्कराज की जगह जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, जैनिक सिनर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने हुए हैं। सिनर ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में अल्काराज को हराकर शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी।अल्कराज अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। उन्होंने 2025 के फाइनल में सिनर को चार सेटों में हराकर अपना दूसरा अमेरिकी ओपन खिताब जीता था। अब वह तीसरी बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने के इरादे से उतरेंगे।

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ ऑगमॉन्ट इंटरप्राइजेज का आईपीओ, 31 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की प्रमुख इंटेग्रेटेड गोल्ड एंड सिल्वर प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट कंपनी ऑगमॉन्ट इंटरप्राइजेज लिमिटेड का 825 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 25 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 28 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 31 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर एक बजे तक ये आईपीओ 1.22 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 750 रुपये से लेकर 788 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 19 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 19 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,972 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,636 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 247 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत पांच रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,04,69,541 करोड़ शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 620 करोड़ रुपये के 78,68,020 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 205 करोड़ रुपये के 26,01,521 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.76 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.83 प्रतिशत हिस्सा रखा गया है। इसके अलावा नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.93 प्रतिशत हिस्सा और एंप्लॉयीज के लिए 0.48 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। ऑगमॉन्ट इंटरप्राइजेज लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 75.97 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 227.19 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 348.30 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 34,948.90 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 66,252.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 94,282.47 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार घटता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 54.86 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 21.54 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ कम होकर 12.67 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। कंपनी का रिजर्व और सरप्लस भी इस अवधि में लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 180.39 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 398.46 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 865.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई।

टाटा मोटर्स वाहनों की कीमतों में 25 हजार तक का करेगी इजाफा, नई कीमतें एक सितंबर से लागू

एजेंसी, नई दिल्ली । मारुति, हुंडई के बाद टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी) ने अपने वाहनों की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान किया है। वाहन विनिर्माता टीएमपीवी अपने सभी पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के दाम में 25 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। नई कीमतें एक सितंबर 2026 से लागू होंगी। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि टीएमपीवी एक सितंबर से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 25 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने इसकी वजह बढ़ती लागत और महंगाई के दबाव को बताया है। यह सभी खंडों के आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) और ईवी की कीमतों में बढ़ोतरी मॉडल एवं संस्करण के आधार पर अलग-अलग होगी। टाटा मोटर्स लिमिटेड ने कहा, ''बढ़ती लागत और महंगाई के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए कीमतों में यह बदलाव किया जा रहा है।'' यह बढ़ोतरी विभिन्न मॉडलों और वेरिएंट्स के आधार पर अलग-अलग होगी। टीएमपीवी अब भी इस बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही है, लेकिन संशोधन के जरिये इसका कुछ बोझ ग्राहकों पर डाला जा रहा है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी ने भी लगाई बड़ी छलांग

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिकी बॉन्ड मार्केट में आई गिरावट का असर दुनिया भर के बुलियन मार्केट में नजर आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं ने जोरदार छलांग लगाई है। सोना और चांदी के भाव में आई वैश्विक तेजी का असर आज घरेलू सर्राफा बाजार में भी शुरुआती कारोबार के दौरान नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 3,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में आज 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की उछाल दर्ज की गई है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,59,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,55,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,59,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,59,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एचडीएफसी बैंक ने विदेशी बॉन्ड से जुटाए 1.75 अरब डॉलर

एजेंसी, नई दिल्ली

देश एवं निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने कारोबार को बढ़ाने के लिए विदेशी बॉन्ड जारी कर 1.75 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। एचडीएफसी बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को रेगुलेटरी फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि गिफ्ट सिटी शाखा के जरिये 1.75 अरब अमेरिकी डॉलर के 'सीनियर अनसिक्योर्ड बॉन्ड' जारी किए हैं।

बैंक ने बताया कि उसने तीन साल में परिपक्व होने वाले 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड 5.159 फीसदी की कूपन दर पर जारी किए हैं। वहीं, शेष 1.25 अरब यूएस डॉलर के पांच साल में परिपक्व होने वाले बॉन्ड पर कूपन दर 5.4 फीसदी है। एचडीएफसी बैंक ने बताया कि इन बॉन्ड को इंडिया आईएनएक्स (इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज (आईएफएससी) लिमिटेड) और एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज (एनएसई-आईएक्स) में सूचीबद्ध किया जाएगा। विदेशी बॉन्ड कर्ज जुटाने का साधन हैं, जिन्हें कोई कंपनी किसी दूसरे देश के बाजार से धन जुटाने के लिए जारी करती है। इन्हें संबंधित देश की स्थानीय मुद्रा या किसी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा में जारी किया जा सकता है। भारतीय निवेशक उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत वैश्विक बाजारों में निवेश कर सकते हैं।

ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज का आईपीओ 27 अगस्त को खुलेगा, प्राइस बैंड 78-82 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली/मुंबई । कंडक्टर एवं बिजली केबल विनिर्माता ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 27 अगस्त को खुलेगा। इसमें निवेश करने के लिए निवेशक 31 अगस्त तक बोली लगा सकते हैं। निवेश के लिए एंकर निवेशक 25 अगस्त को बोली लगा पाएंगे। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 78-82 रुपये प्रति शेयर तय किया है। ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज लिमिटेड की योजना इस इश्यू के जरिए 700 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी ने बताया कि ये आईपीओ 500 करोड़ रुपये के नए शेयर और करीब 200 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण है। कंपनी नए शेयर जारी कर जुटाई गई धनराशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, उपकरण और मशीनरी की खरीद तथा कंपनी के सामान्य कामकाज आदि के लिए करेगी। कंपनी के मुताबिक 5 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 182 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 182 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी का शेयर तीन सितंबर को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। कंपनी भारत में एक प्रोडक्ट-बेस्ड इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) कंपनी है। इसका मुख्य फोकस देश के बढ़ते पावर ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर के लिए कंडक्टर, पावर केबल, इलेक्ट्रिकल वायर और दूसरे खास प्रोडक्ट और कंपोनेंट बनाने और सप्लाई करने पर है।

चेन्नई की जल सुरक्षा के लिए एडीबी से हुआ 230 मिलियन डॉलर का ऋण करार

- **चेन्नई में जलापूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था पर खर्च किये जायेंगे 230 मिलियन डॉलर**

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चेन्नई शहर में जलापूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए 230 मिलियन डॉलर के ऋण समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं। मंत्रालय के मुताबिक इस लोन को अंतिम रूप देने के लिए भारत सरकार और एडीबी के बीच बातचीत वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) में संयुक्त सचिव (एडीबी और जापान) बलदेव पुरुषार्थ की देखरेख में हुई। भारत सरकार की ओर से वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के उप-सचिव सौरभ सिंह और एडीबी की ओर से इंडिया रेजिडेंट मिशन की कंट्री डायरेक्टर मियो ओका ने लोन से जुड़े दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। यह परियोजना ग्रेटर चेन्नई क्षेत्र में जलापूर्ति और स्वच्छता ढांचे को मजबूत करेगी, जो लगभग 45 लाख लोगों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखती है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस परियोजना के तहत 170 किलोमीटर से अधिक लंबी जलापूर्ति और सीवर पाइपलाइनें बिछाई जाएंगी। इसके साथ ही चेन्नई में सात जल पंपिंग स्टेशनों और 38 सीवर पंपिंग स्टेशनों का उन्नयन किया जाएगा। इन कार्यों का उद्देश्य शहर की बढ़ती आबादी के लिए अधिक भरोसेमंद, सुरक्षित और जलवायु-लचीली सेवाएं उपलब्ध कराना है। एडीबी ने इस ऋण समझौते को 3 जुलाई को अपनी मंजूरी दी थी। यह परियोजना भारत के शहरी बुनियादी ढांचा कार्यक्रमों, खासकर अमृत 2.0 और अर्बन चैलेंज फंड, के अनुरूप है। इससे पहले एशियाई विकास बैंक ने भारत में कई शहरी परियोजनाओं को अपना समर्थन दे चुका है।

रिया चक्रवर्ती बोलीं– देश में सबसे ज्यादा ट्रोलिंग मैंने सही है दुनिया मुझे गद्दार मानती है

सुशांत केस और रिया चक्रवर्ती: आरोपों से राहत तक की पूरी टाइमलाइन

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन के बाद बॉलीवुड इंडस्ट्री से लेकर आम जनता के बीच गहरा सन्नाटा और आक्रोश देखा गया था। इस मामले ने एक ऐसा मोड़ लिया, जिसने अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के जीवन और करियर को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। वर्ष 2020 में सुशांत के परिवार की तरफ से दर्ज कराई गई शिकायत के बाद रिया चक्रवर्ती जांच के केंद्र में आ गईं। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्रीय जांच एजेंसियों–सीबीआई (CBI), प्रवर्तन निदेशालय (ED), और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB)–ने इसकी जांच शुरू की। सितंबर 2020 में ड्रग्स से जुड़े आरोपों के तहत एनसीबी ने रिया और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया, जिसके बाद रिया को करीब एक महीना मुंबई की बायकुला जेल में गुजारना पड़ा। इस पूरे दौर में रिया चक्रवर्ती को मीडिया ट्रायल और सोशल मीडिया पर भारी नफरत का सामना करना पड़ा। उन्हें सार्वजनिक रूप से गंभीर आरोपों के कटघरे में खड़ा किया गया। हालांकि, अक्टूबर 2020 में बॉम्बे हाईकोर्ट से रिया को जमानत मिल गई, जिसमें अदालत ने माना कि वह किसी आपराधिक गिरोह की हिस्सा नहीं थीं। लंबी जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के बाद, जब जांच एजेंसियों को रिया के खिलाफ हत्या या उकसाने के कोई पुख्ता सबूत नहीं मिले, तो उन्हें बड़ी कानूनी राहत मिली। सीबीआई और अन्य एजेंसियों की रिपोर्ट में मिले तथ्यों के आधार पर रिया पर लगे आरोपों का खंडन हुआ।

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती इन दिनों रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स 2 में नजर आ रही हैं। वर्ष 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद रिया की जिंदगी में बड़ा बदलाव आया था। मामले की जांच के दौरान रिया और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती को स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने गिरफ्तार किया था। बाद में मामले में रिया के खिलाफ आरोपों को लेकर उन्हें राहत मिली। अब शो के पांचवें एपिसोड में रिया ने बताया कि वह 'गद्दार की भूमिका क्यों नहीं निभाना चाहतीं। शो में श्वेता तिवारी के सवाल का जवाब देते हुए रिया ने कहा कि वह गद्दार नहीं बनना चाहतीं, क्योंकि दुनिया पहले ही उन्हें गद्दार मान चुकी है। उन्होंने कहा कि यह बात उनके निजी जीवन के अनुभवों से जुड़ी है। रिया के अनुसार, वह किसी मनोरंजन कार्यक्रम में आकर अपनी इच्छा से किसी की 'हत्या जैसी भूमिका नहीं निभाना चाहतीं, क्योंकि इससे उनके खिलाफ फिर से नकारात्मक प्रतिक्रिया शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि लोग इस पर भी आपत्तिजनक मजाक और मीम बना सकते हैं। रिया ने खुद को देश में सबसे ज्यादा निशाना बनाए जाने वाली हस्तियों में से एक बताते हुए कहा कि वह फिर से उसी तरह के दौर से नहीं गुजरना चाहतीं। रिया ने शो के अन्य प्रतिभागियों को भरोसा दिलाने की कोशिश की कि वह गद्दार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही है कि लोगों ने उन्हें गद्दार समझा, लेकिन बाद में उन्हें निर्दोष बताया गया। उनका यह बयान सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों और उसके बाद हुई जांच की ओर इशारा था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बाद में मामले में अंतिम रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसके बाद रिया को बड़ी राहत मिली। शो की शुरुआत में मेजबान करण जौहर ने रिया से पूछा था कि वह कार्यक्रम में बेकसूर की भूमिका निभाना चाहती हैं या गद्दार की। इसके जवाब में रिया ने कहा था कि वह बेकसूर बनना चाहती हैं। रिया ने कहा था कि वर्षों तक उन पर संदेह किया गया, जो उनके लिए बेहद कठिन अनुभव था। उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्हें जांच से राहत मिली और लोगों को उनके पक्ष की जानकारी मिली। इसलिए वह दोबारा उस दौर से नहीं गुजरना चाहतीं।

वर्ष 2020 में सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद रिया चक्रवर्ती को जांच और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। उन्हें जेल भी जाना पड़ा था और सार्वजनिक स्तर पर भी उन्हें भारी आलोचना झेलनी पड़ी थी। बाद में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की जांच में उन्हें राहत मिली। रिया ने अपने पिछले साक्षात्कारों में बताया था कि इस पूरे घटनाक्रम का उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने यह भी कहा था कि इस कठिन दौर के कारण उन्हें गंभीर मानसिक दबाव से गुजरना पड़ा। फिलहाल रिया 'द ट्रेटर्स 2 में प्रतियोगी के तौर पर अपनी भूमिका निभा रही हैं और कार्यक्रम में उनके पुराने जीवन से जुड़े अनुभव लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं।

बिना ऑडिशन 'मोहब्बतें' से बनाई पहचान, जानें मॉडल से बॉलीवुड स्टार बनने की अनदेखी कहानी

फिल्म मोहब्बतें से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस प्रिति झंगियानी ने अपनी सादगी और मासूमियत से रातोंरात दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। आज प्रीति झंगियानी बॉलीवुड का जाना-पहचाना चेहरा बन चुकी है। प्रीति झंगियानी की कहानी बॉलीवुड में अप्रत्याशित एंट्री, बड़ी सफलता, और फिर अपने शर्तों पर करियर को आगे बढ़ाने की एक अनोखी मिसाल है। साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म मोहब्बतें में उनके साथ शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, जिमी शेरगिल, उदय चोपड़ा, शमिता शेट्टी और किम शर्मा जैसे बड़े कलाकार थे, और प्रीति के लिए यह शुरुआत किसी सपने जैसी थी। हैरत की बात यह है कि जिस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दी, उसके लिए उन्होंने कोई ऑडिशन तक नहीं दिया था और न ही उन्होंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में सोचा था। यह उनके करियर की एक पूरी तरह से अनियोजित, लेकिन बेहद सफल शुरुआत थी। प्रीति झंगियानी का जन्म 18 अगस्त 1980 को मुंबई में एक सिंधी परिवार में हुआ था। एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले वह मॉडलिंग करती थीं। साल 1997 में उन्हें राजश्री प्रोडक्शंस के म्यूजिक एल्बम ये है प्रेम में काम करने का मौका मिला। इस म्यूजिक वीडियो से उन्हें अच्छी पहचान मिली, और इसके बाद वह कई विज्ञापनों में भी नजर आईं, जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ी। फिल्मों में उनकी शुरुआत हिंदी सिनेमा से नहीं, बल्कि दक्षिण भारतीय फिल्मों से हुई। साल 1999 में उन्होंने मलयालम फिल्म मजहविल में काम किया। इसी दौर में वह तेलुगु फिल्म थम्मुडु में भी नजर आईं, जिससे उन्हें साउथ इंडियन इंडस्ट्री में अनुभव मिला। इसके बाद उनके लिए बॉलीवुड का दरवाजा खुला और यहां पहुंचने की कहानी काफी अलग थी। प्रीति ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें यशराज फिल्म्स के ऑफिस से अचानक फोन आया था और आदित्य चोपड़ा से मिलने के लिए बुलाया गया था। उन्होंने मोहब्बतें के लिए कोई ऑडिशन नहीं दिया था, यह पूरी तरह से एक मौका था जिसने उनके जीवन की दिशा बदल दी। साल 2000 में मोहब्बतें रिलीज हुई और प्रीति की जिंदगी वाकई बदल गई। फिल्म में उन्होंने किरण का किरदार निभाया, जो जिमी शेरगिल के किरदार करण चौधरी से प्यार करती है। फिल्म की कहानी, जिसमें प्यार और रिश्तों के विभिन्न आयामों को दिखाया गया था, और उसके गाने लोगों को खूब पसंद आए। प्रीति की मासूम छवि दर्शकों के दिलों में बस गई और उन्हें काफी सराहना मिली। उनके अभिनय की शुरुआत इतनी सफल रही कि उन्हें आईफा अवॉर्ड में स्टार डेब्यू ऑफ द ईयर-फीमेल का पुरस्कार मिला। उन्हें कुछ दूसरे अवॉर्ड्स के लिए भी नामांकन मिला था, जिससे उनका आत्मविश्वास और भी बढ़ा। मोहब्बतें के बाद प्रीति के पास काम की कमी नहीं रही। उन्होंने ना तुम जानो ना हम, आवारा पागल दीवाना, वाह! तेरा क्या कहना, बाज : ए बर्ड इन डेंजर, एलओसी कारगिल, आनः मेन एट वर्क, विक्टोरिया नंबर 203 और चांद के पार चलो जैसी कई फिल्मों में काम किया। उन्होंने हिंदी के अलावा तेलुगु, तमिल, कन्नड़, पंजाबी, बंगाली और राजस्थानी फिल्मों में भी अभिनय किया, जिससे उनकी बहुमुखी प्रतिभा का पता चलता है। हालांकि, उन्हें मोहब्बतें जैसी बड़ी और व्यापक सफलता दोबारा नहीं मिली, फिर भी उन्होंने विभिन्न भाषाओं में काम करके अपनी अभिनय यात्रा जारी रखी। करियर के बीच प्रीति ने शादी और परिवार को भी समय दिया। उन्होंने अभिनेता परविन डबास से 23 मार्च 2008 को शादी की। दोनों के दो बेटे हैं, और इस दौरान प्रीति ने कुछ समय फिल्मों से दूरी बनाए रखी। लेकिन उन्होंने अभिनय को पूरी तरह छोड़ा नहीं। साल 2017 में उनकी राजस्थानी फिल्म तावड़ोः द सनलाइट आई, जिसमें उनके काम को काफी सराहना मिली और उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार भी मिला। बाद में वह कफस जैसी वेब सीरीज में नजर आईं और 2025 में उदयपुर फाइल्स में भी दिखाई दीं।

आवारापन 2 के आगे घुटने टेकने को मजबूर हुई बंटवारा 1947, देखें कुल कमाई

भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इस वक्त इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 गदर काट रही है। उसी के साथ सनी देओल की फिल्म बंटवारा 1947 ने प्रवेश किया, जिसकी कमाई का संघर्ष लगातार जारी है। दोनों फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज के 6 दिन पूरे कर चुकी हैं, लेकिन इनके कलेक्शन में एक बड़ा अंतर है। जहां इमरान की फिल्म 100 करोड़ के क्लब में दाखिल हो गई, तो वहीं सनी की फिल्म 50 करोड़ कमाने से भी दूर है। सैकनिल्क के मुताबिक, इमरान की फिल्म ने 6वें दिन 6.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जो सिनेमाघरों में जारी इसकी लोकप्रियता की तरफ इशारा करता है। फिल्म घरेलू स्तर पर अब 107.50 करोड़ रुपये कमा चुकी है और आगे के रास्ते पर निकल चुकी है। वहीं, विश्व स्तर पर आवारापन 2 ने 153.59 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित इस एक्शन-ड्रामा में दिशा पाटनी और शबाना आजमी भी अहम किरदारों में शामिल हैं। सैकनिल्क के मुताबिक, बंटवारा 1947 ने 6वें दिन महज 1.40 करोड़ रुपये कमाए, जो इसका अब तक का सबसे निराशाजनक कलेक्शन हैं। इसकी कुल कमाई 32.15 करोड़ रुपये हुई है। विश्व स्तर पर फिल्म ने कुल 45.42 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। एक हफ्ते से भी कम वक्त में फिल्म का ऐसा प्रदर्शन निर्माताओं के लिए भी किसी बड़े झटके से कम नहीं है, जिसमें सनी, प्रीति जिंटा, अली फजल और शबाना जैसे मंझे हुए सितारे शामिल हैं।

रेंजर में अजय देवगन का बड़ा एक्शन धमाका संजय दत्त की गैंग से होगी सीधी भिड़ंत

अजय देवगन अपनी एडवेंचर फिल्म रेंजर के बड़े क्लाइमेक्स सीन के लिए अब खुद कैमरे के पीछे आ रहे हैं। फिल्म के निर्देशक जगन शक्ति ने उनसे एक्शन सीक्वेंस का एक नया वर्जन तैयार करने को कहा है। खबरें हैं कि एक्शन फिल्मों में अजय के लंबे अनुभव को देखते हुए ही यह फैसला लिया गया है। अब वे गोल्डन टोबैको स्टूडियो में एक्शन निर्देशक केविन कुमार के साथ मिलकर इस क्लाइमेक्स को दोबारा शूट करेंगे, ताकि यह सीन दर्शकों को वाकई प्रभावित कर सके। फिल्म में अजय एक वन अधिकारी की भूमिका में हैं। उनका काम बाघों को शिकारियों और भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों से बचाना है। नए क्लाइमेक्स में वे संजय दत्त की गैंग से भिड़ते हुए नजर आएंगे। इस एक्शन से भरपूर सीन में गाड़ियों का पीछा करना, ताबड़तोड़ गोलियां चलाना और हाथ-से-हाथ की लड़ाई जैसे कई रोमांचक पल होंगे। इस सब के बाद, फिल्म की शूटिंग खत्म होने से पहले तमन्ना भाटिया के साथ एक खास डांस नंबर भी शूट किया जाएगा।

अभिनेत्री भावना श्री ने साझा किया 'विश्वनाथ एंड संस' का अनुभव

अभिनेता सूर्या के प्रोत्साहन ने बढ़ाया हौसला

साउथ सिनेमा की उभरती और प्रतिभाशाली अभिनेत्री भावना श्री इन दिनों अपनी नई फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में हैं। पारिवारिक ड्रामा और मजबूत पटकथा पर आधारित इस फिल्म को दर्शकों का बेहद शानदार रिस्पांस मिल रहा है। फिल्म में अपनी भूमिका और दिग्गज अभिनेता सूर्या के साथ काम करने के अनुभव को लेकर भावना श्री ने खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि इस बहुचर्चित प्रोजेक्ट में काम करना उनके लिए न केवल एक बड़ा अवसर था, बल्कि एक बेहद प्रेरणादायक और यादगार अनुभव भी साबित हुआ। फिल्म में अपनी भूमिका और शूटिंग के दिनों को याद करते हुए भावना श्री ने स्वीकार किया कि जब उन्हें पता चला कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं, तो उनके मन में एक अजीब सी झिझक और घबराहट थी। विशेष रूप से जब उन्हें फिल्म के एक बेहद अहम और लंबे मोनोलॉग (एकल संवाद) की शूटिंग करनी थी, तब वह काफी दबाव महसूस कर रही थीं। भावना ने बताया, "लंबे संवाद को एक ही बार में पूरे भाव के साथ प्रस्तुत करना आसान नहीं होता। शूटिंग के समय मैं काफी सहमी हुई थी। लेकिन उस दौरान जब सूर्या सर ने मेरी घबराहट को समझा, तो उन्होंने मुझे बेहद सहज बनाया। उन्होंने बेहद आत्मीयता से मुझसे कहा— 'यह एक बहुत ही खूबसूरत और दमदार किरदार है, मां। तुम इसे बहुत अच्छे से निभा सकती हो, बस अपने अभिनय पर भरोसा रखो।'" अभिनेत्री के अनुसार, दिग्गज कलाकार के इन चंद शब्दों ने उनके भीतर एक नया आत्मविश्वास भर दिया। उनके इस प्रोत्साहन के बाद ही वह अपने किरदार को पूरी शिद्दत और गहराई के साथ कैमरे के सामने जीवंत कर सकीं। गौरतलब है कि भावना श्री ने अपने फिल्मी सफर का आगाज बेहद चर्चित फिल्म 'पे राणिसिंगम' से किया था। अपनी पहली ही फिल्म में उन्होंने अपनी सहज और प्रभावकारी अभिनय क्षमता से न केवल निर्देशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी एक खास जगह बना ली। डेब्यू फिल्म की सफलता के बाद से ही उनके काम को लगातार सराहा जाता रहा है। अपनी शुरुआती सफलता के बाद भावना ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार अपनी एक्टिंग स्किल में सुधार करती रहीं। 'विश्वनाथ एंड संस' में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है और इसे उनके करियर के अब तक के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक माना जा रहा है। फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' की बात करें तो यह एक विशुद्ध पारिवारिक और भावनात्मक पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म है। इसमें रिश्तों के ताने-बाने, जिम्मेदारियों और पारिवारिक मूल्यों को बेहद खूबसूरती से दर्शाया गया है। फिल्म का निर्देशन और इसकी स्क्रिप्ट इतनी कसी हुई है कि दर्शक शुरू से अंत तक इससे बंधे रहते हैं।

सेंसर बोर्ड का फिल्म निर्माताओं के लिए बड़ा फरमान, सर्टिफिकेट के बाद कांट-छांट का मौका खत्म

सिनेमैटोग्राफ नियमों में मई 2026 में किए गए संशोधन के करीब तीन महीने बाद केंद्र सरकार ने नियम 33 में एक और महत्वपूर्ण बदलाव किया है। नए प्रावधान के तहत केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाणपत्र मिलने के बाद निर्माता अपनी फिल्म में किसी भी तरह का बदलाव, कटौती या नया दृश्य जोड़ नहीं सकेंगे। पहले फिल्म को प्रमाणपत्र मिलने के बाद निर्माता केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को सूचित कर आवश्यक मंजूरी लेकर फिल्म में कुछ बदलाव कर सकते थे। अब यह व्यवस्था समाप्त कर दी गई है।

सूत्रों के अनुसार, संशोधित नियम 10 अगस्त 2026 से लागू हो गया है। इसके बाद प्रमाणपत्र मिलने के बाद निर्माता फिल्म की अवधि भी कम नहीं कर सकेंगे। यदि किसी निर्माता को प्रमाणपत्र मिलने के बाद यह लगता है कि फिल्म

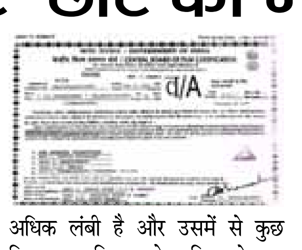

अधिक लंबी है और उसमें से कुछ मिनट कम किए जाने चाहिए, तो अब ऐसा करने का विकल्प उपलब्ध नहीं होगा। पहले नियम 33 के प्रावधान का इस्तेमाल फिल्म में उपशीर्षक जोड़ने जैसे बदलावों के लिए भी किया जाता था। लेकिन नए संशोधन के बाद प्रमाणपत्र जारी होने के पश्चात ऐसे बदलाव भी नहीं किए जा सकेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, नियम 33 कागजी तौर पर मौजूद रहेगा, लेकिन प्रमाणपत्र मिलने के बाद निर्माता इसका इस्तेमाल फिल्म में बदलाव करने के लिए नहीं कर सकेंगे। नए नियम के बाद फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों के सामने यह स्पष्ट कर दिया गया है कि उन्हें प्रमाणन के लिए फिल्म का अंतिम संस्करण ही केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास प्रस्तुत करना होगा। फिल्म की अवधि कम करने, कोई नया दृश्य जोड़ने, किसी दृश्य को हटाने या किसी अन्य तरह का फेरबदल करने का निर्णय प्रमाणन प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही करना होगा। नियम 33 में किए गए इस बदलाव से फिल्म के प्रमाणन के बाद उसमें संशोधन की संभावना पूरी तरह समाप्त हो गई है। अब निर्माता को प्रमाणन के लिए फिल्म भेजने से पहले ही उसकी अंतिम अवधि, दृश्यों और अन्य सामग्री को लेकर सभी निर्णय लेने होंगे। मई 2026 में सिनेमैटोग्राफ (प्रमाणन) नियमों में संशोधन कर प्रमाणन की प्राथमिकता योजना को समाप्त किया गया था।

विजय के बेटे जेसन संजय की फिल्म सिग्मा नई तारीख पर होगी रिलीज, इतना बढ़ा इंतजार

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय के बेटे जेसन संजय अपनी पहली निर्देशित फिल्म सिग्मा को नई तारीख पर सिनेमाघरों में लेकर आएंगे। खबर है कि फिलहाल के लिए इसे अक्टूबर तक के लिए टाल दिया गया है। पहले फिल्म की रिलीज तारीख 31 जुलाई तय हुई थी, लेकिन उसी दौरान विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन भी रिलीज की तैयारी में थी। पिता-बेटे की फिल्मों के बीच होने वाले टकराव से बचने के लिए सिग्मा को आगे खिसका दिया गया। जेसन संजय की फिल्म सिग्मा की नई तारीख का इंतजार फैंस काफी समय से कर रहे थे, जो अब खत्म हो गया है। निर्माताओं ने एक पोस्टर के साथ ऐलान किया कि यह 2 अक्टूबर को गांधी जंयती के अवसर पर सिनेमाघरों में आएगी। जेसन ने भी फिल्म का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा, 2 अक्टूबर को होने वाली इस धमाकेदार फिल्म के लिए तारीख नोट कर लें। सिग्मा सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है। विजय की फिल्म जन नायकन के साथ तो सिग्मा का टकराव टल गया था, लेकिन 2 अक्टूबर को इसका सामना करने के लिए बॉलीवुड से अजय देवगन आएंगे। दरअसल, उसी दिन उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म दृश्यम 3 रिलीज होने के लिए तैयार है। बता दें, लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित फिल्म सिग्मा में संदीप किशन मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह एक डकैती पर आधारित एक्शन थ्रिलर होने की उम्मीद है। इसका संगीत थमन एस ने तैयार किया है।

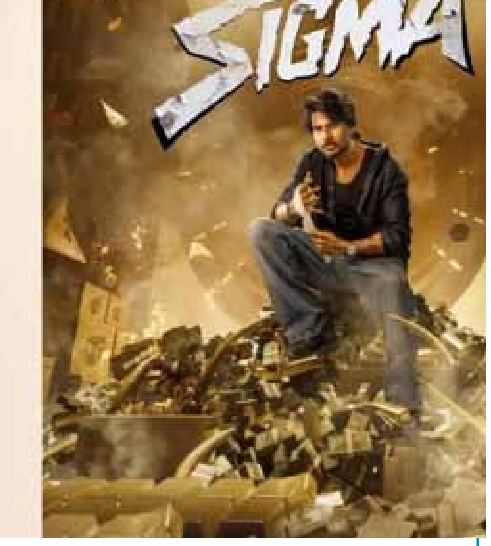

BRIFF NEWS

Nabin meal row Congress post fabricated, says BJP

New Delhi, Agency: A day after Chhattisgarh Congress posted on social media pictures of BJP president Nitin Nabin having a meal with other party members in Andhra Pradesh and claimed he was consuming meat, BJP accused the party of putting out "fabricated and misleading" content due to its pique over repeated electoral defeats BJP has asserted that it was a vegetarian fare, refuting Congress' claim that the governing party champions Hindu beliefs but its members were eating meat during the holy month of Sawan. BJP national spokesperson Sudhanshu Trivedi slammed Congress, saying it has resorted to such "cheap antics" because it is mired in the despair of continuous poll defeats.

Personalised cancer vaccine takes step closer to market

New Delhi, Agency: A personalised cancer vaccine has shown encouraging results in a large Phase-3 trial of patients with high-risk melanoma - a potentially aggressive form of skin cancer - helping keep the cancer from returning or spreading when given along with Merck's immunotherapy Keytruda, pharma major Moderna said in a statement. Keytruda helps the body's immune system recognise and attack cancer cells. The INTerpath-001 trial involved 1,137 patients with high-risk melanoma whose tumours had been completely removed through surgery.

2 of the judges on bench fault procedure for 2005 referral

New Delhi, Agency: Two of the nine-judge SC bench - Justices Dipankar Datta and Ujjal Bhuyan - Thursday faulted the procedure adopted by a five-judge bench in 2005 to refer adjudication of the correctness of SC's 1978 ruling giving wider meaning to 'industry' to a seven-judge bench and the latter's reference in 2016 to a nine-judge bench. The case had an interesting genesis. Bangalore Water Supply and Sewerage Board had fined two employees for misconduct and deducted the fine amount from their salary in 1972. They had filed a claim petition under Industrial Disputes Act for recovery of the fine amount. The board said it cannot be categorised as industry.

US ambassador Sergio Gor in Ladakh, may meet Dalai Lama in first trip since Galwan clash

Srinagar, Agency: A day after meeting Jammu & Kashmir chief minister Omar Abdullah in Srinagar, US Ambassador to India, Sergio Gor, arrived in Ladakh Thursday on his maiden visit to the Union Territory, where he went sightseeing and rafting. There were also reports that he was likely to meet the Dalai Lama, who is currently in Ladakh, during his two-day trip, but there was no confirmation about this from anyone. Shortly after landing, Gor went sightseeing in Leh and later participated in river rafting, covering several kilometres from Tsogti to Sangam, the confluence of Indus and Zanskar rivers.

Officials said the US envoy's team had approached for a meeting with Ladakh Lt-governor Vinai Kumar Saxena, but he was in New Delhi.

They also said they had no idea whether Gor was meeting the Dalai Lama on Friday morning. The 91-year-old Tibetan spiritual leader has been recuperating in Ladakh since June 28 following a medical procedure on his left knee in New Delhi.

This is the first visit by a top US diplomat to Ladakh since it was carved out as a UT from the former state of J&K in Aug 2019, and the Galwan clash between Indian and Chinese troops in June 2020 that led to a prolonged military standoff between the two countries in the region. Gor is also US President Donald Trump's special envoy for South and Central Asia, and his visit to the two UTs bordering China and Pakistan is being seen as a message to the two countries.

In Srinagar, Gor's remark describing Kashmir as an important part of India drew a sharp reaction from Pakistan, which summoned the US embassy's charge d'affaires in Islamabad and lodged a "strong demarche" over what it termed a "factually incorrect statement". He also talked of US considering reviewing its security advisory for J&K. Asked about Pakistan's reaction to Gor's remarks, the J&K CM Thursday said: "This is a matter between Pakistan and America. Neither you nor I can do anything about it."

On Congress's criticism that there was no need to hear from the US that Kashmir was an important part of India, Omar said, "They have a point of view and they are entitled to it.

'Freeze seats for 25 years': Congress backs Vijay-led Tamil Nadu govt's delimitation stand

New Delhi, Agency: Former Union minister and senior Congress leader P Chidambaram said on Friday that the party wants the existing allocation of Lok Sabha seats to be maintained for another 25 years, with no change to the current strength of 543 seats or Tamil Nadu's 39 constituencies.

Chidambaram added that the resolutions passed by the Tamil Nadu Legislative Assembly and the Congress Working Committee on delimitation reflected the same position.

"The resolutions passed by the Tamil Nadu Legislative Assembly and the Congress Working Committee regarding the delimitation of Lok Sabha constituencies reflect the same stance. There should be no change to the current Lok Sabha strength of 543 seats or Tamil Nadu's allocation of 39 constituencies. The Congress party's position is that

the current seat allocations should be maintained for another 25 years," Chidambaram said in a post on X. "It is gratifying that both the ruling party (TVK) and the principal opposition party (DMK) in Tamil Nadu support this stance," he added. The development comes a day after Tamil Nadu Chief Minister Joseph Vijay raised concerns over the proposed Delimitation Bill, 2026, warning that southern states could lose parliamentary representation if seats are redistributed primarily on the basis of population.

Use medical tourists' money to treat poor Indians: Panel

New Delhi, Agency: Revenue earned from foreign patients and affluent Indians should help fund the treatment of poorer patients, the parliamentary standing committee on health and family welfare has recommended, proposing that corporate hospitals adopt a cross-subsidisation model to make advanced healthcare more affordable. The panel - headed by Samajwadi Party MP Ram Gopal Yadav - said hospitals that benefit from govt concessions such as subsidised land, tax incentives and 100% foreign direct investment (FDI) should earmark part of the revenue generated from medical tourism and high-paying patients to provide advanced tertiary care to economically weaker Indians. The recommendation is part of the committee's report on affordability and accessibility of healthcare, which noted that India's corporate hospital sector has recorded strong growth driven by high-value procedures, rising medical tourism and increasing revenue per occupied bed. While acknowledging India's emergence as a global healthcare destination, the panel said benefits of this growth must also reach patients who cannot afford expensive treatment.

Observing that private health insurance penetration in India remains low and out-of-pocket expenditure continues to push many families into financial distress, the committee said a

structured cross-subsidy mechanism could improve access to life-saving tertiary care for poorer patients. The panel also recommended that corporate hospitals reserve a defined quota of beds under govt-funded health insurance schemes, such as Ayushman Bharat-PMJAY, at standard package rates to ensure beneficiaries have access to advanced treatment at leading private hospitals.

To address uneven distribution of healthcare infrastructure, the committee proposed linking govt incentives, including subsidised land, tax benefits and FDI facilitation, to investment in tier-2, tier-3 and rural areas. It recommended expanding public-private partnerships and extending financial and technology support to smaller hospitals in underserved regions. The recommendations form part of a broader roadmap to make healthcare more affordable. The committee has also proposed capping private hospital room rents in major metropolitan cities at the average tariff of nearby three-star hotels, standardising treatment package rates, improving price transparency and expanding govt health spending to reduce out-of-pocket expenditure.

CARA to tweak rules to boost regulatory system

New Delhi, Agency: Central Adoption Resource Authority announced Thursday that it was undertaking a review of the adoption regulations notified in 2022 in order to strengthen the regulatory framework and address "emerging legal, procedural and implementation-related issues".

The 2022 regulations had marked a significant shift, wi-th district magistrates getting the power to issue adoption orders in place of district courts.

In the public notice issued Thursday, CARA invited comments and suggestions from the public and organisations on the provisions of the 2022 regulations

that may require amendment, insertion, substitution or omission. The last day for submitting suggestions is Sept 9.

Thereafter, CARA proposes to hold consultations with stakeholders to firm up the review before drafting a proposal for amendments. This, too, will be put in the public domain before being finalised, sources said.

According to officials, it was felt that despite the significant changes in 2022, there were some areas that were still ambiguous.

SC faults UP Gangsters Act says it is prone to misuse

New Delhi, Agency: Pointing out various flaws in Uttar Pradesh Gangsters and Anti-Social Activities (Prevention) Act, Supreme Court on Thursday said the law is prone to misuse as there is no safeguard against vindictive and malicious action against innocents.

A bench of Justices J B Pardiwala and K Vinod Chandran said the special Act does not create any offence, which is the requirement of any penal law. "But for the definition clause, defining 'gang' and 'gangster', there is no offence insofar as the membership in the gang or acting in cohort with a gang, either singly or together," it said.

"The subject enactment, the UP Act not only permits detention for a period without anything more than the inclusion in a Gang Chart but also enables a trial and punishment on the basis of the very same Gang Chart, in addition to the pre-trial incarceration, but without an offence being created by the Act itself. It is akin to the English proverb: Give a dog a bad name and hang him," the bench said.

After 30 years, SC acquits 2 accused of taking Rs 20 bribe

New Delhi, Agency: Thirty years after they were accused of taking a bribe of Rs 20 to issue an income certificate, Supreme Court has acquitted two govt employees in a 1996 corruption case in which they were convicted and sentenced to one year's imprisonment by a trial court. A bench of Justices Ujjal Bhuyan and Atul S Chandurkar held that the govt employees were wrongly convicted in the case as there was no evidence that they had demanded the bribe.

The aggrieved employees, now senior citizens, had to fight legal battles for three decades to prove their innocence. They were sacked from govt jobs after conviction. "We find on an appreciation of the entire material brought on record by the prosecution that it falls woefully short of proving the charge against both the accused beyond reasonable doubt," the bench said. The court noted that the demand of bribe was an essential ingredient to convict a per-

son in a corruption case and that was missing in the case.

"When any demand was not proved, as held by both the Courts, it was clear that the complainant had thrust the note of ?20/- in the pocket of accused number 2 without any demand. The defence as raised that the festival of Eid was to be celebrated on the next day and it was for that purpose that the complainant had given the note of Rs 20/- after receiving the necessary certificate, therefore, assumed significance," the bench said.

As per the prosecution case, the clerk had demanded Rs 120 (Rs 100 for himself and Rs 20 for the peon) for issuing an income certificate.

2.98 lakh URLs sent for takedown; I4C flags scams, CSAM and other unlawful content

New Delhi, Agency: Nearly 3 lakh URLs were sent to social media platforms for takedown by government departments between March and July 2026, with states accounting for 82% of the requests, the PIB Fact Check unit said. The figures come after articles claiming

that Meta had automated content blocking to meet the government's three-hour takedown requirement, with content blocks rising during the Delhiprotests resurfaced. Of the total URLs sent for takedown, 2.44 lakh, or 82%, came from states, while 51,000 were sent by the Indian Cyber Crime Coordination Centre (I4C).

Indian seafarers take cover as vessel passing through Hormuz came under attack in April

New Delhi, Agency: The Federation of Seafarers and Indian Seafarers Union (FSUI) has released an old video showing a vessel carrying 22 crew members, including 21 Indians, coming under attack in the Strait of Hormuz on April 22.

The footage shows several small boats surrounding the vessel, an RPG being fired and seafarers rushing to the ship's alleyways to take cover as the confrontation unfolded.The union also released images showing crew members taking cover while the vessel was under attack. "These were not pirates. They were naval forces

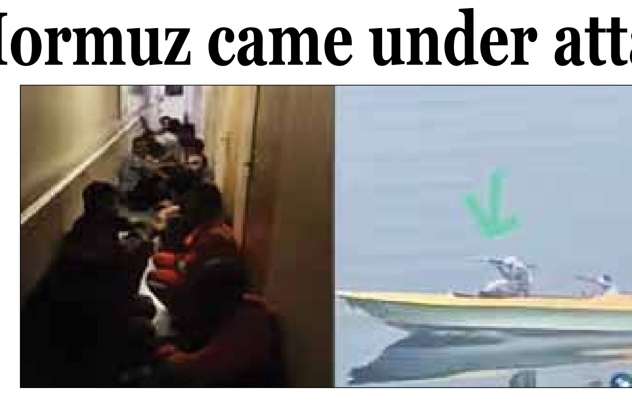

of the IRGC," the FSUI said in a post on X.

The union added that the footage highlighted the risks faced by seafarers in the Strait of Hormuz, arguing that advisories and guidelines alone could not ensure their safety.

"Innocent seafarers need the assured presence of naval forces to truly protect them," the FSUI said. The Ministry of External Affairs (MEA) recently said 166 Indian seafarers remained in the Persian Gulf and Strait of Hormuz region, including 125 aboard six Indian-flagged vessels and 41 working on foreign-flagged ships.